ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

सलमान की सलाह पर अपना... 11

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 126 | गाजियाबाद / शनिवार 08 अगस्त 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

सदन में हंगामे के लिए माफी मांगे विपक्ष : किरेन रिजिजू

'सुबह से देर रात तक सदन में रहते हैं गृह मंत्री'

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के हंगामे के कारण सदन में चचाएं सीमित रही हैं लेकिन इसके बावजूद संसद का विधायी कामकाज लगातार जारी है और कई महत्वपूर्ण विधेयक पारित किए जा चुके हैं।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने पत्रकारों से कहा कि लोकसभा में एमएसएमई से संबंधित विधेयक पारित किया गया है और राज्यसभा में भी एनडीए के सभी सांसदों ने विभिन्न विधेयकों पर बहस में हिस्सा लेकर अपनी राय रखी। यह कहना पूरी तरह गलत है कि संसद का कामकाज ठप है। सदन नियमित रूप से चल रहा है और विधायी प्रक्रिया भी आगे बढ़ रही है। चर्चा कम होने का एकमात्र कारण विपक्ष का लगातार हंगामा और नारेबाजी है। विशेष सत्र बुलाने की विपक्ष की मांग पर रिजिजू ने कहा कि फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव सरकार के सामने नहीं है। उन्होंने कहा कि जब मानसून सत्र पहले से चल रहा है तो इसी दौरान अलग से विशेष सत्र बुलाने की मांग का कोई औचित्य नहीं बनता। उन्होंने इसे केवल राजनीतिक नाटक करार दिया।

सरकार को संसद में जवाब देना चाहिए: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसदों ने सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है और केंद्रीय गृह मंत्री संसद में आकर जवाब नहीं दे रहे हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने प्रयागराज में प्रस्तावित 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर कहा कि सरकार इस कार्यक्रम से डर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के कार्यक्रमों के साथ हमेशा ऐसा ही व्यवहार किया जाता है। केंद्रीय गृहमंत्री के संसद में आने के सवाल पर प्रियंका गांधी ने कहा कि ऐसा नहीं लगता कि वे सदन में आएंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई गलती हुई है तो सरकार को उसकी जिम्मेदारी लेते हुए संसद में जवाब देना चाहिए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने भी छात्रों के मुद्दे पर सरकार की आलोचना की।

आत्मनिर्भर भारत के सपने का अहम स्तंभ है हथकरघा क्षेत्र : पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर देश के बुनकरों और कारीगरों को नमन करते हुए कहा कि हथकरघा क्षेत्र ग्रामीण सशक्तिकरण, महिला नेतृत्व वाले विकास और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने का महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि सरकार हथकरघा क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन और समर्थन देती रहेगी।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर भारत की समृद्ध हथकरघा विरासत का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीढ़ियों से बुनकरों और कारीगरों ने अपनी कला, कौशल और रचनात्मकता के माध्यम से देश की परंपराओं को संरक्षित और समृद्ध किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों से अपील की कि वे राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर अपने पसंदीदा हथकरघा उत्पादों और इससे जुड़े वीडियो साझा करें, ताकि इस क्षेत्र से जुड़े लोगों का उत्साह बढ़ सके।

उन्होंने कहा कि हथकरघा उद्योग न केवल भारत की सांस्कृतिक पहचान है, बल्कि लाखों परिवारों की आजीविका का आधार भी है।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हर साल 7 अगस्त को मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1905 में शुरू हुए स्वदेशी आंदोलन की याद में मनाया जाता है। इस दिन देश की हथकरघा परंपरा और बुनकरों के योगदान को सम्मान दिया जाता है।

हथकरघा क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों के अनुसार देश में करीब 35.22 लाख बुनकर और संबद्ध श्रमिक इस उद्योग से जुड़े हैं। इनमें 72 प्रतिशत से अधिक महिलाएं शामिल हैं।

भारत की हथकरघा परंपरा का इतिहास हजारों साल पुराना है। इसके प्रमाण सिंधु घाटी सभ्यता तक मिलते हैं। ऋग्वेद, रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों में भी कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है।

कौटिल्य के साहित्य में भी भारतीय कपास और रेशम की गुणवत्ता का वर्णन किया गया है। सदियों से बुनाई की कला और तकनीक एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती रही है।

वर्ष 2015 में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस की शुरूआत की गई थी। इसके बाद हथकरघा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन विकास, डिजिटल प्लेटफॉर्म, वैश्विक बाजार तक पहुंच, पुरस्कार और उत्पादों की प्रमाणिकता से जुड़े कई कदम उठाए गए हैं।

चौथी अखिल भारतीय हथकरघा जनगणना 2019-20 के अनुसार देश में करीब 31.45 लाख हथकरघा परिवार दर्ज किए गए हैं। इनमें लाखों लोग बुनाई से पहले और बाद की गतिविधियों जैसे धागा तैयार करना, रंगाई, वार्पिंग और अन्य कार्यों से जुडेल हुए हैं।

हथकरघा उद्योग आज भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारंपरिक कला को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

गहरी खाई में गिरी बोलेरो, पांच लोगों की मौत

देहरादून (एजेंसी)। पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर कुंडाधार के पास शुक्रवार को एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर करीब 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन सवार छह लोगों में से पांच की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर घायल हो गया। एसएसपी सर्वेश पंवार ने बताया कि शुक्रवार को सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे थाना देवप्रयाग को पौड़ी-देवप्रयाग मार्ग पर कुंडाधार के निकट वाहन के खाई में गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। जांच में पता चला कि एक बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे करीब 250 मीटर गहरी खाई में जा गिरी थी। हादसे में अफजाल पुत्र अकबर सूफी (49), शब्बो पत्नी अफजाल (40), अन्नाविया पुत्री अफजाल (3), शादाब पुत्र अफजल (14) और गुफरान पुत्र अकबर (34) की मौत हो गई। सभी रायपुर जीतपुर, थाना कोतवाली लक्सर, जनपद हरिद्वार के निवासी बताए गए हैं। हादसे में घायल अरमान पुत्र अफजल, निवासी रायपुर जीतपुर, थाना कोतवाली लक्सर, हरिद्वार को पुलिस और एसडीआरएफ ने खाई से सुरक्षित बाहर निकाला।

पटना में हादसे के बाद बवाल

युवक की मौत से भड़के लोगों ने बस और पुलिस वाहनों में लगाई आग

पटना सिटी (एजेंसी)। अगमकुआं थाना क्षेत्र के बड़ी पहाड़ी के पास राष्ट्रीय उच्च पथ संख्या-30 पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार यात्री बस ने एक युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय निवासी 26 वर्षीय मनीष कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बस में आग लगा दी। बस में सवार यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इसके बाद भीड़ ने पुलिस की दो गाड़ियों समेत कई अन्य वाहनों में भी आग लगा दी और तोड़फोड़ की।

घटना से नाराज लोगों ने एनएच-30 को जाम कर दिया। कई वाहनों में तोड़फोड़ की गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस टीम भीड़ को नियंत्रित नहीं कर सकी और लोगों ने पुलिसकर्मियों को खदेड़ दिया। बाद में पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभाला।

हंगामे के दौरान एक मीडियाकर्मी के साथ मारपीट की गई और उसकी गाड़ी में भी आग लगा दी गई। आग बुझाने पहुंचे दमकल कर्मियों को भी भीड़ के विरोध के कारण पीछे हटना पड़ा। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार बस की चपेट में आने से मनीष कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बस चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

हंगामे के कारण एनएच-30 पर लंबा जाम लग गया और वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने लोगों को समझाकर मामला शांत कराया और यातायात व्यवस्था बहाल करने की कोशिश शुरू कर दी है।

थाईलैंड के स्कूल में गोलीबारी, 8 की मौत

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के बाहरी इलाके नोनथाबुरी जिले के देबसिरिन स्कूल में शुक्रवार को हुई गोलीबारी में 8 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन छात्र और तीन शिक्षक शामिल हैं। वहीं, इस हमले में 15 लोग घायल हुए हैं।

अधिकारियों के अनुसार घटना स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे हुई। सूचना मिलते ही पुलिस और आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचीं। गोलीबारी के बाद स्कूल परिसर में अफरा-तफरी मच गई और छात्र व शिक्षक सुरक्षित स्थानों की ओर भागने लगे।

पुलिस के मुताबिक, स्कूल के एक छात्र ने कथित तौर पर गोलीबारी की। घटना के बाद हमलावर ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है और मामले की जांच जारी है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई गई है कि बंदूक छात्र ने परिवार के किसी सदस्य से हासिल की थी। स्थानीय मीडिया के अनुसार, गोलीबारी में घायल हुए 15 लोगों में से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के दौरान सोशल मीडिया पर गोलीबारी का लाइव प्रसारण भी वायरल हुआ।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख

थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चर्नविराकुल ने घटना पर दुख जताया है। उन्होंने अधिकारियों को पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता करने के निर्देश दिए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर छात्र एक कक्षा में छिप गए थे। बाद में पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला।

सुरक्षाकर्मियों ने लोगों से अपील की है कि वे घटना का लाइव प्रसारण न करें।

मुख्यमंत्री विजय और संगीता के तलाक का मामला खत्म

पत्नी ने फैमिली कोर्ट से वापस ली याचिका, अदालत ने बंद की कार्यवाही

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय की पत्नी संगीता ने उनके खिलाफ दायर तलाक की याचिका वापस ले ली है। चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट ने संगीता के अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले को बंद कर दिया। संगीता ने पिछले वर्ष दिसंबर में निजी कारणों का हवाला देते हुए तलाक की याचिका दायर की थी। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान विजय की ओर से विधानसभा सत्र में व्यस्तता का हवाला देकर समय मांगा गया, जबकि संगीता की ओर से सुनवाई जारी रखने का आग्रह किया गया। दोपहर बाद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए न्यायाधीश सुजाता के समक्ष पेश हुईं संगीता ने अपनी याचिका वापस लेने की इच्छा जताई। उनका बयान दर्ज करने के बाद अदालत ने अनुरोध स्वीकार कर लिया और मामले की कार्यवाही समाप्त कर दी। हालांकि, याचिका वापस लेने के कारणों पर विजय या संगीता की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। विजय और संगीता का विवाह 25 अगस्त 1999 को हुआ था और उनके दो बच्चे हैं।

तालाब में डूबने से महिला समेत चार की मौत

पटना, (एजेंसी)। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के गोविंदगंज थाना क्षेत्र में शुक्रवार को दर्दनाक हादसे में एक महिला और उसके चार बच्चे तालाब में डूब गए। अब तक महिला समेत चार शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक बच्चे की तलाश जारी है। मृतक महिला की पहचान बभनौली पंचायत निवासी सुशीला देवी, पत्नी धर्मेंद्र महतो, के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा गोताखोरों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, डूबने के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पारिवारिक विवाद और हादसे सहित सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करने की अपील की है।

दिल्ली नॉर्थ-वेस्ट पुलिस ने किया 23 आरोपियों को गिरफ्तार

1.5 करोड़ के 390 चोरी के मोबाइल बरामद

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नॉर्थ-वेस्ट जिला पुलिस ने स्ट्रीट क्राइम पर शिकंजा कसने के लिए चलाए गए 'ऑपरेशन राहत' के तहत 72 घंटे में 23 आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 1.5 करोड़ रुपये मूल्य के 390 चोरी और छीने गए मोबाइल फोन, 66 चोरी के दोपहिया वाहन व कारें, 62 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण तथा 19 अवैध हथियार बरामद किए हैं।

डीसीपी आकांक्षा यादव ने बताया कि 4 से 6 अगस्त तक चले इस विशेष अभियान में करीब 150 पुलिसकर्मियों ने भाग लिया। अभियान का उद्देश्य डकैती, स्नैचिंग, चोरी और वाहन चोरी में सक्रिय गिरोहों पर कार्रवाई करना था। गिरफ्तार आरोपियों में कुख्यात चोर, लुटेरे, स्नैचर और किशोर अपराधी शामिल हैं।

पुलिस ने बताया कि आरोपियों से 21 चाकू और कुछ अत्याधुनिक हथियार तथा इलेक्ट्रिक पिस्टल भी बरामद हुई हैं। जांच में खुलासा हुआ कि चोरी के सोने को गोल्ड फाइनेंस कंपनियों में गिरवी रखकर ऋण लिया जाता था। इस नेटवर्क से जुड़े छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा चोरी के मोबाइल फोन दिल्ली के एक डीलर मार्केट में बेचे जाते थे, जहां उन्हें खोलकर स्पेयर पार्ट्स के रूप में खपाया जाता था। पुलिस ने इस रिसीवर नेटवर्क पर भी कार्रवाई की है।

डीसीपी के अनुसार, अभियान का उद्देश्य केवल अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं, बल्कि चोरी और लूट के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करना था। पुलिस का दावा है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में डकैती, स्नैचिंग और बैग छीनने की घटनाओं में कमी दर्ज की गई है।

नमन

स्व0 श्री प्रेमचन्द लोहिया जी

जन्म: 4 जनवरी, 1939 — स्वर्गवास: 8 अगस्त, 1988

आपूर्यमाणचलप्रतिष्ठं समुद्रमाप: प्रविशन्ति यद्वत्।
तद्वत्कामा यं प्रविशन्ति सर्वे स शांतिमाप्नोति न कामकामी ।।

—श्रीमद्भगवतगीता: 2/70

जिस प्रकार सब ओर से अचल प्रतिष्ठा वाले समुद्र के प्रति नाना नदियों के जल उसको चलायमान न करते हुए भी उसमें समा जाते हैं, उसी प्रकार स्थिर बुद्धि पुरुष के प्रति संपूर्ण कामनाएं बिना किसी प्रकार का विकार उत्पन्न किये उसमें समा जाती हैं और वह पुरुष परम शांति को प्राप्त होता है।

सादगी, संयम, कर्मठता और सामाजिक हित के प्रति प्रतिश्रुति के आपके आदर्श हमारी राह को आलोकित करते एवं हम सबको प्रेरित करते रहेंगे।

08-अगस्त ''पुण्य तिथि'' के अवसर पर आपके अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प लेते हुए आपको शत्-शत् नमन करते हैं।

- मेरिनो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, (यूनिट-1 व 2) हापुड़
- मेरिनो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, दहेज व हलोल, (गुजरात)
- मेरिनो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, होसुर (तमिलनाडु)
- मेरिनो इन्डस्ट्रीज लिमिटेड, रोहड़ (हरियाणा)
- केबीजीबी एग्रीटेक प्रा0 लि0 (यूनिट-1 व 2) हापुड़

आत्मीयजन, समस्त लोहिया परिवार एवं कर्मचारी वृंद

अनुच्छेद 370 की बरसी पर अनंतनाग रैली के नारों पर विवाद

-विपक्ष के विरोध के बाद भाजपा ने दी सफाई

अनंतनाग (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने की सातवीं बरसी पर अनंतनाग में निकाली गई एक रैली के दौरान लगाए गए कथित आपत्तिजनक नारों को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो सामने आने के बाद विपक्षी दलों ने इसे कश्मीरी महिलाओं का अपमान बताते हुए भाजपा पर निशाना साधा। बढ़ते विवाद के बीच जम्मू-कश्मीर भाजपा ने इन नारों से खुद को अलग करते हुए स्पष्ट किया कि यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं है।

5 अगस्त 2019 को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त कर जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन करते हुए इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किया था। इसकी सातवीं बरसी पर भाजपा ने विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए, जबकि विपक्षी दलों ने इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाया। अनंतनाग में भाजपा की ओर से निकाली गई रैली के दौरान कुछ नारों को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का आरोप है कि रैली में कश्मीरी भाषा के ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिन्हें स्थानीय समाज में महिलाओं के सम्मान और गरिमा से जोड़कर देखा जाता है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि इन शब्दों का प्रयोग जिस संदर्भ में किया गया, वह महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। उनका आरोप है कि इस तरह के नारे कश्मीर की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं के विपरीत हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस समेत अन्य विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि महिलाओं से जुड़े सम्मानजनक संबोधनों का राजनीतिक नारों में इस प्रकार इस्तेमाल स्वीकार्य नहीं है। विपक्ष ने इसे पूरे समाज के सम्मान से जुड़ा विषय बताते हुए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। विवाद बढ़ने के बाद जम्मू-कश्मीर भाजपा ने बयान जारी कर कहा कि पार्टी महिलाओं के सम्मान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार की अपमानजनक टिप्पणी का समर्थन नहीं करती। पार्टी के अनुसार यदि रैली के दौरान कुछ व्यक्तियों ने अपनी व्यक्तिगत सोच के आधार पर कोई नारा लगाया है, तो उसे भाजपा की आधिकारिक नीति या विचारधारा नहीं माना जाना चाहिए। पार्टी ने कहा कि विवादित नारे संगठन या रैली का नेतृत्व कर रहे नेताओं के आधिकारिक विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद यह मामला राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। विपक्ष भाजपा से सार्वजनिक माफी की मांग कर रहा है, जबकि भाजपा का कहना है कि पार्टी का महिलाओं के सम्मान पर रुख स्पष्ट है और किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत टिप्पणी को संगठन की आधिकारिक राय नहीं माना जा सकता।

ब्रेस्टफीडिंग वीक पर स्वास्थ्य शिविर, गर्भवती महिलाओं व जच्चाओं को मिला पोषण किट

हापुड़ (शिखर समाचार)। विश्व ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन वीक के अवसर पर मोदी अस्पताल में इनर व्हील क्लब की ओर से गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की माताओं के लिए विशेष स्वास्थ्य एवं पोषण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्तनपान के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। अस्पताल परिसर में डॉ. अल्पना गुप्ता की देखरेख में आयोजित शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं और जच्चाओं को पोषण से भरपूर खाद्य सामग्री वितरित की गई। इनमें भुना चना, सोयाबीन बड़ी, दलिया तथा साबुत मूंग दाल शामिल रही, जो प्रोटीन एवं ऊर्जा के अच्छे स्रोत माने जाते हैं। कार्यक्रम के दौरान इनर व्हील क्लब की अध्यक्षा श्वेता जैन ने डॉ. अल्पना गुप्ता एवं डॉ. पूनम लाल को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके सहयोग के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्य सोनल जैन, रिद्धि और अलका बंसल ने भी वितरण कार्य में सक्रिय सहयोग किया।

ग्रेटर नोएडा में सोसायटी की 20वीं मंजिल पर आग, बड़ा हादसा टला

गौतमबुद्ध नगर (एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित मिग्सन अल्टीमो सोसायटी में 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, निवासियों और सुरक्षा कर्मियों की सूझबूझ से समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया और कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस के अनुसार, सन टावर-3 की 20वीं मंजिल के कॉमन एरिया में बिजली के तारों में आग लगी थी। आग लगते ही हड़कंप मचा, पर रेजिडेंट्स और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला और कड़ी मशक्कत से आग बुझा दी। फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंचने से पहले ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया था। यह सोसायटी में आग लगने की पहली घटना नहीं है। निवासियों का आरोप है कि फायर फाइटिंग सिस्टम लंबे समय से खराब पड़ा है, जिससे हमेशा खतरा बना रहता है। निवासियों ने बिल्डर और प्रबंधन के प्रति भारी नाराजगी व्यक्त कर तत्काल फायर सेफ्टी सिस्टम की जांच, मरम्मत और नियमित सुरक्षा ऑडिट की मांग की है।

हैवान बना पिता, 16 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म ; गिरफ्तार

जोनपुर (एजेंसी)। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार करने वाला एक हृदय विदारक मामला उत्तर प्रदेश के जमालपुर से सामने आया है। यहां एक कलयुगी पिता ने अपनी ही 16 वर्षीय नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफपोक्सो एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को दिए बयानों के अनुसार यह शर्मनाक घटना बीते 5 अगस्त को घटित हुई। पीड़िता की मां ने बताया कि आरोपी अरविंद शर्मा, जो कि पीड़िता का सगा पिता है, तबीयत खराब होने का बहाना बनाकर उस दिन काम पर नहीं गया और घर पर ही रुक गया। शाम को जब मां काम से लौटी तो 16 वर्षीय बेटी ने रोते हुए उसे अपनी आपबीती सुनाई। पीड़िता ने अपनी मां को बताया कि जब वह घर में अकेली थी और अपने काम निपटाकर कमरे में आराम कर रही थी, तभी उसके पिता अरविंद शर्मा ने जबरन उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने बेटी को किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। मां की शिकायत पर जमालपुर पुलिस ने गंभीरता दिखाते हुए आरोपी पिता अरविंद शर्मा के खिलाफभारतीय दंड संहिता की धारा 376 (दुष्कर्म) और पोक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को बम धमकी वाला ई-मेल, मेट्रो, स्कूल और शेयर बाजार को उड़ाने की चेतावनी, जांच में जुटी पुलिस

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े के आधिकारिक ई-मेल पते पर बम विस्फोट की धमकी मिलने से सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। ई-मेल में मुंबई महापौर कार्यालय, मुंबई मेट्रो, स्कूलों और शेयर बाजार को निशाना बनाने की धमकी दी गई है। दावा किया गया है कि 15 अगस्त से पहले मुंबई में विस्फोट किए जाएंगे। इसके बाद मुंबई पुलिस और साइबर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, धमकी भरे ई-मेल में अलगाववादी नारे लिखे गए हैं और कुछ व्यक्तियों के नामों का भी उल्लेख किया गया है। साथ ही लोगों को बच्चों को स्कूल न भेजने और मेट्रो से यात्रा नहीं करने जैसी चेतावनियां भी दी गई हैं। फिलहाल पुलिस इन दावों की सत्यता की जांच कर रही है और नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। बताया जा रहा है कि महापौर ऋतु तावड़े को इससे पहले भी दो बार धमकी भरे ई-मेल मिल चुके हैं। इस बार मिले ई-मेल के बाद साइबर पुलिस ई-मेल के आईपी एड्रेस, स्रोत और प्रेषक की पहचान करने में जुटी है। मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और आवश्यक सुरक्षा उपाय भी बढ़ा दिए गए हैं।

केजरीवाल का दावा : पीएम मोदी जनता से खुद को बचाने के लिए बना रहे कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाकर दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से खुद को बचाने के लिए कानून बना रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी अपने ही नागरिकों से लड़ रहे हैं और पेपर लीक, ई-20 फ्यूल जैसे मुद्दों पर उनके पुराने समर्थक भी उनके खिलाफ हो रहे हैं।

केजरीवाल का ये बयान तब हैं जब मेटा (मेटा) से जुड़े बड़े विवाद के बीच सूत्रों ने बताया कि कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो कुछ समय के लिए हटाने पर भारत सरकार से माफी मांगी है। जुकरबर्ग ने कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मटीरियल, डीपफेक कंटेंट और प्लेटफॉर्म के संचालन में हुई गलतियों के लिए खेद जताया है। सूत्रों के अनुसार, मेटा ने स्वीकार किया कि गैर-कानूनी कंटेंट, जिसमें बच्चों के यौन शोषण से संबंधित सामग्री शामिल थी, को खास ऑडियंस के लिए पेड प्रमोशन के माध्यम से बढ़ावा दिया था। केंद्र सरकार ने मेटा को स्पष्ट किया है कि वे इंटरमीडियरी (मध्यस्थ) की परिभाषा के दायरे में नहीं आते क्योंकि वे खुद कंटेंट का चुनाव करते हैं, इसलिए आईटी एक्ट के तहत सेफ हार्बर का नियम उन पर लागू नहीं होता। घटनाक्रम के बीच, मेटा के चीफ ग्लोबल अफेयर्स ऑफिसर जोएल कपलान की अगुवाई में एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सेक्रेटरी एस. कृष्णन से मुलाकात की। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का फेसबुक वीडियो गलती से हटाने की जानकारी दी गई। इससे पहले, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर बनी संसदीय स्थायी समिति ने फेसबुक से प्रधानमंत्री का वीडियो हटाए जाने पर जुकरबर्ग से बिना शर्त माफी की मांग की थी और चेतावनी दी थी कि भारत में प्लेटफॉर्म को मिलने वाली कानूनी छूट समाप्त की जा सकती है।

बारिश के बीच विपक्ष ने संसद परिसर में किया जोरदार प्रदर्शन

-जंतर-मंतर पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर मकर द्वार पर नारेबाजी, छात्रों की मांगों पर कार्रवाई की उठाई मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 15वें दिन शुक्रवार को भी संसद परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्र होकर जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई और राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। तेज बारिश के बावजूद सांसद छाते लेकर धरना देने पहुंचे और सरकार विरोधी नारे लगाए।

विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की लोकतांत्रिक मांगों को संवाद के बजाय बल प्रयोग से दबाने का प्रयास किया गया है। उनका कहना था कि सरकार को प्रदर्शनकारी छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके साथ बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए। विपक्ष ने जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को भी प्रमुखता से उठाया और इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच की मांग करते हुए सरकार को घेरने का प्रयास किया। सांसदों का कहना था कि दोनों ही मुद्दे जनहित से जुड़े हैं और सरकार को इन पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए। तेज बारिश के बावजूद प्रदर्शन में शामिल सांसद लगातार नारेबाजी करते रहे।

सीजेपी ने बनाई राष्ट्रीय कार्यसमिति, अभिजीत दीपके बने राष्ट्रीय संयोजक

12 लोगों की मेन टीम का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। संगठनात्मक विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सीजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) ने गुरुवार को अपनी राष्ट्रीय कार्यसमिति का गठन कर दिया। संगठन के संस्थापक अभिजीत दीपके को राष्ट्रीय संयोजक नियुक्त किया गया है, जबकि मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और प्रवक्ता आशुतोष रांका को सह-संयोजक की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दो दिवसीय बैठक के समापन के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। संगठन ने स्पष्ट किया कि फिलहाल उसे राजनीतिक दल में परिवर्तित नहीं किया जाएगा और उसका फोकस जमीनी स्तर पर जनसंगठन तैयार करने पर रहेगा।

सीजेपी की ओर से जारी बयान के अनुसार, राष्ट्रीय कार्यसमिति ने संगठन के विस्तार की रूपरेखा को मंजूरी दे दी है। अगले छह महीनों में सभी राज्यों में समन्वय समितियों के गठन के साथ-साथ लोकसभा और शहर स्तर पर भी संगठनात्मक इकाइयां बनाई जाएंगी। संगठन ने कहा कि घोषित सूची के अलावा किसी अन्य व्यक्ति को फिलहाल पदाधिकारी नियुक्त नहीं किया गया है। नई कार्यकारिणी में अजिंक्य शिंदे को राष्ट्रीय संगठन प्रभारी और दीपक बालियान को सह-संगठन प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा आफरीन नवाज को राष्ट्रीय सचिव, विजय रेड्डी मल्लांगी को मीडिया प्रमुख, रत्ना सिंह को कानूनी मामलों की प्रमुख, वैष्णवी गौड़ को शोध एवं नीति प्रमुख, रोहन देशपांडे को प्रौद्योगिकी प्रमुख तथा योगेश इंगले को वित्त प्रमुख नियुक्त किया गया है। संगठन ने उत्तर, दक्षिण, पूर्व एवं पूर्वोत्तर तथा पश्चिम क्षेत्र के लिए भी अलग-अलग नेतृत्व की जिम्मेदारियां तय की हैं।

सौरव दास ने बताया कि सदस्यता अभियान संगठन की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया जाएगा। उन्होंने छात्रों, युवाओं, पेशेवरों और श्रमिकों से संगठन से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि सीजेपी फिलहाल किसी प्रकार का चंदा या फंड एकत्र नहीं कर रही है। उन्होंने लोगों से किसी भी भ्रामक दावे से सावधान रहने की भी अपील की। दास ने कहा कि कई लोग चाहते हैं कि सीजेपी राजनीतिक दल बने, लेकिन मौजूदा समय में संगठन का उद्देश्य चुनावी राजनीति में उतरना नहीं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जनजागरूकता बढ़ाना और जमीनी स्तर पर काम करना है। उनका कहना था कि संगठन पहले अपने नेटवर्क और जनसंपर्क को मजबूत करेगा। इस दौरान आशुतोष रांका ने बताया कि सीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल झारखंड में भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मुलाकात करेगा। इसके बाद संगठन के शीर्ष पदाधिकारी भी राज्य का दौरा करेंगे। संगठन ने कहा कि शिक्षा और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता उसके प्रमुख मुद्दों में शामिल रहेगी।

ऊना दलित अत्याचार : मायावती ने की गुजरात सरकार से हाईकोर्ट में सख्त पैरवी की मांग

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने गुजरात के गिर सोमनाथ जिले के ऊना में वर्ष 2016 के चर्चित दलित अत्याचार मामले में लोकल अदालत द्वारा अधिकांश आरोपियों को बरी करने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह फैसला न्याय व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है और पीड़ित दलित परिवारों को हाईकोर्ट में न्याय की लड़ाई लड़ने के लिए भारी आर्थिक और कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बसपा सुप्रीमों मायावती ने गुजरात सरकार से तत्काल मामले में हस्तक्षेप करने और उच्च न्यायालय में प्रभावी पैरवी कर सभी दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया है। बसपा मुखिया ने याद दिलाया कि इस घटना के बाद वह खुद पीड़ितों से मिलने ऊना गई थीं और तभी राज्य सरकार से सभी दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि देश भर में रोष के बावजूद 40 में से 35 आरोपियों का बरी होना दलितों के प्रति सरकारी उदासीनता और उनके हितों की उपेक्षा का परिणाम लगता है। उन्होंने कहा कि गुजरात सरकार के पास अभी भी मौका है कि वह अपनी गलती सुधारते हुए उच्च न्यायालय में उचित पैरवी सुनिश्चित करे। मायावती ने सुझाव दिया कि गुजरात सरकार को पीड़ित परिवारों की संतुष्टि के अनुसार, सरकारी खर्च पर वकील मुहैया कराने चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे बसपा की यूपी सरकार ने गरीबों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने का प्रावधान किया था। उन्होंने जोर दिया कि यह कदम न केवल पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाएगा बल्कि दूसरों के लिए भी एक सबक बनेगा।

कावड़ यात्रा : मोदीनगर से गुजरा कांवड़ियों का सैलाब

मोदीनगर (शिखर समाचार) हरिद्वार से कावड़ लेकर दिल्ली मेरठ मार्ग से गुजरने वाले कांवड़ियों का रैला उमड़ रहा है। शुक्रवार सुबह से लेकर देर शाम तक यहां से लाखों की संख्या में कावड़िया गुजर चुके हैं। नगर के इस मुख्य मार्ग पर चारों ओर बम बम भोले के नारे गूंज रहे हैं। कांवड़िया द्वारा रंग बिरंगी लाइटों से सजी झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी है। शाम होते ही दिल्ली मेरठ मार्ग के दोनों तरफ कांवडियो और उनकी झांकियां को देखने के लिए बड़ी संख्या में नगर के लोग एकत्र थे। कांवड़ियों को देखने के लिए नगर का मुख्य चौराहा राज चौराहा पर श्रद्धालुओं की सबसे ज्यादा भीड़ जुटी। इसके अलावा भी नगर में दिल्ली मेरठ मार्ग के दोनों और जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ जमा थी। कांवड़ियों की सेवार्थ नगर में दो दर्जन से भी अधिक स्थानों पर कावड़ शिविर लगे है, जिनमे खानपान की सुविधा के अलावा चिकित्सा सेवा भी उपलब्ध कराई गई है। इस समय यहां से हरियाणा और दिल्ली का सबसे अधिक कांवडिया निकल रहा है। आज यहां से हरियाणा के पलवल के रहने वाले 22 कांवडियो का एक जत्था गुजरा और इनका कहना था कि उन्होंने 19 जुलाई को हरिद्वार से जल उठाया था तथा वह अपने शहीदों की स्मृति में कावड़ लेकर चल रहे हैं। बजरंग दल से जुड़े निशांत त्यागी, मधुर नेहरा और शुभम शर्मा सहित कई ने पुष्प वर्षा कर इन कांवड़ियों का स्वागत किया। सफाई व्यवस्था के लिए नगर के पूरे दिल्ली मेरठ मार्ग पर नगर पालिका परिषद की ओर से सफाई कर्मी तैनात किए गए हैं और इतना ही नहीं कावड़ शिवरों में भी सफाई व्यवस्था के लिए सफाई कर्मी तैनात किए गए हैं। इन सफाई कर्मियों को पालिका के अध्यक्ष विनोद वैशाली ने रेनकोट वितरित किए। पालिका अध्यक्ष का कहना था कि सफाई कर्मी बारिश और बढ़ती हुई कांवड़ियों की संख्या के बीच भी सफाई का कार्य सुचारू रूप से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे सफाई कर्मी स्वच्छता को लेकर सराहनीय सहयोग कर रहे हैं। इसके अलावा उप जिलाधिकारी कोमल पवार तथा एसीपी भास्कर वर्मा पूरे समय इस मार्ग का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं और अधीनस्थ अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं।

सहारनपुर में कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा, गूंजा हर-हर महादेव

सहारनपुर (शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 के दौरान शुक्रवार को शिवभक्त कांवड़ियों और श्रद्धालुओं के सम्मान एवं उत्साहवर्धन के लिए सहारनपुर के घंटाघर चौक पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई। आसमान से बरसे फूलों को देखकर कांवड़ियों में उत्साह दिखाई दिया और पूरा वातावरण ह्लहर-हर महादेवह्व तथा "बम-बम भोले" के जयघोष से गूंज उठा।

पुष्पवर्षा के दौरान पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह पुलिस बल के साथ घंटाघर चौक पर मौजूद रहे। उन्होंने कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करते हुए सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। डीआईजी ने ड्यूटी प्वाइंटों पर तैनात पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी करने, आपसी समन्वय बनाए रखने और किसी भी स्थिति में त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कांवड़ियों का आवागमन सुरक्षित, सुगम और निर्बाध बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है।

असम में बाढ़ से मरने वालों की संख्या 97 हुई, 1.68 लाख लोग प्रभावित

-कई राज्यों में आंधी-तूफान और बिजली गिरने की आशंका

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी है वहां दो और लोगों की मौत के साथ इस साल बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 97 तक पहुंच गई है। वहीं प्रभावित लोगों की संख्या भी बढ़कर 1.68 लाख से ज्यादा हो गई। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने बताया कि पिछले 24 घंटे में गोलाघाट और उदलगुड़ी जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई।

प्राधिकरण की रिपोर्ट के मुताबिक वर्तमान में गोलाघाट, शिवसागर, उदलगुड़ी, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, नगांव, कामरूप, दरांग, सोनितपुर, होजाई, लखीमपुर, बिश्वनाथ, जोरहाट, चराइदेव, कार्बी आंगलोंग और धेमाजी जिलों में 1.68 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। गोलाघाट सबसे ज्यादा प्रभावित जिला है, जहां करीब 54,000 लोग बाढ़ की चपेट में आए। इसके बाद शिवसागर में 49,000 से ज्यादा और जोरहाट में करीब 27,000 लोग प्रभावित हुए हैं। एएसडीएमए ने बताया कि वर्तमान में छह जिलों में 133 राहत शिविर और राहत सामग्री वितरण केंद्र चलाए जा रहे हैं, जहां करीब 45,000 विस्थापित लोगों को आश्रय और सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में कुल 481 गांव अब भी बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण पूरे राज्य में 14,382.26 हेक्टेयर फसल क्षेत्र को नुकसान पहुंचा है। बुलेटिन के मुताबिक धनसिरी नदी नुमालीगढ़ में अब भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बाढ़ के पानी से कई जिलों में तटबंधों, सड़कों, पुलों और अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचों को भी नुकसान पहुंचा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक 6 से 12 अगस्त के बीच अरुणाचल प्रदेश में और 8 से 11 अगस्त के बीच असम और मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश हो सकती है। 6-7 अगस्त और 12 अगस्त को असम और मेघालय में और 6-12 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश की संभावना है। मौसम एजेंसी ने कहा कि कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने शिवसागर और चराइदेव जैसे बाढ़ प्रभावित ज़िलों में 10 अगस्त से पढ़ाई फिर से शुरू करने की योजना का ऐलान किया है। साथ ही सरकार उन छात्रों के लिए वैकल्पिक इंतजाम भी कर रही है जिनके स्कूल हाल की बाढ़ के कारण पहुंच से बाहर हैं या क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राज्य के शिक्षा मंत्री रानोज पेगू ने कहा था कि यह फैसला पढ़ाई में रुकावट को कम करने और यह पक्का करने के लिए लिया गया है कि छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकें, भले ही बाढ़ से प्रभावित कई शिक्षण संस्थानों में मरम्मत का काम चल रहा हो, जो स्कूल अभी छात्रों को बैठाने लायक नहीं हैं, वे हालात सुधरने तक बंद रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों में दाखिला लेने वाले छात्रों को अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए अस्थायी सुविधाएं दी जाएंगी।

नगर निगम के कांवड़ शिविर में पहुंचे डीएम, कांवड़ियों संग ग्रहण किया प्रसाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए व्यवस्थाओं को अधिक मजबूत कर दिया है। निर्धारित कांवड़ मार्ग पर लगातार साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था के साथ कांवड़ शिविरों में फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर नगर निगम के विभिन्न विभागों की टीमें लगातार मैदान में डटी हुई हैं। इसी कड़ी में नगर निगम की तरफ से कांवड़ यात्रियों के लिए लगाए गए भव्य कांवड़ शिविर का जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ ने निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेने के साथ कांवड़ यात्रियों से बातचीत कर उनके स्वास्थ्य और सुविधाओं की जानकारी ली। जिलाधिकारी, नगर आयुक्त तथा मुख्य विकास अधिकारी ने कांवड़ यात्रियों को भोजन वितरित किया और उनके साथ प्रसाद भी ग्रहण किया। अधिकारियों ने कांवड़ महोत्सव को सफल बनाने में जुटी टीम को शुभकामनाएं दीं। जिलाधिकारी ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम कांवड़ मार्ग की व्यवस्थाएं संभालने के साथ ही श्रद्धालुओं के लिए इतने बड़े स्तर पर भव्य शिविर का संचालन कर रहा है, जो सराहनीय है। शिविर में कांवड़ यात्रियों के लिए भोजन, पेयजल, विश्राम, साफ-सफाई, शौचालय, स्नानघर और प्रकाश व्यवस्था की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध कराई गई है। कांवड़ यात्री 24 घंटे नगर निगम के शिविर में भोजन और विश्राम की सुविधा का लाभ ले सकते हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने शिविर की रसोई का भी जायजा लिया। उन्होंने भोजन तैयार करने की प्रक्रिया, साफ-सफाई और गुणवत्ता को देखा। श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छता और शुद्धता का विशेष ध्यान रखते हुए भोजन तैयार किया जा रहा है। इसके बाद अधिकारियों ने कांवड़ यात्रियों के साथ प्रसाद ग्रहण कर उनके उत्साह को बढ़ाया। कांवड़ मार्ग के साथ शिविरों में स्वच्छता बनाए रखने के लिए नगर निगम की टीमें लगातार कार्य कर रही हैं। नियमित सफाई के अलावा मच्छरों से बचाव के लिए फॉगिंग और एंटी लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। पेयजल और प्रकाश व्यवस्था की भी लगातार निगरानी की जा रही है, ताकि दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। कांवड़ यात्रा गाजियाबाद के लिए आस्था, उल्लास और सेवा का अद्भुत प्रतीक बन रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा में किसी स्तर पर कमी नहीं होनी चाहिए।

निरीक्षण के दौरान जिला प्रशासन और नगर निगम ने अन्य कांवड़ शिविर संचालकों से भी प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग न करने तथा सफाई व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

मौके पर नगर निगम, जिला प्रशासन और पुलिस विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों से आए कांवड़ यात्रियों से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और खान-पान एवं स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। नगर निगम की टीमों द्वारा शिविर की व्यवस्थाओं की लगातार मॉनीटरिंग की जा रही है।

डीआईजी ने कांवड़ मार्गों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था परखी, चार दिन विशेष सतर्कता के निर्देश

आरव शर्मा

मेरठ (शिखर समाचार)। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा-2026 को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अविनाश पांडे तथा अन्य अधिकारियों के साथ बेगमपुल और आसपास के कांवड़ मार्गों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में पैदल गश्त कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सुपर जोनल अधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों तथा आरआरटीएस मेट्रो, आतंकवाद निरोधक दस्ता, त्वरित प्रतिक्रिया बल, विशेष सुरक्षा बल और अन्य सुरक्षा इकाइयों के प्रभारियों के साथ समन्वय बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। विभिन्न प्रकार के ड्रोन का परीक्षण कराया गया तथा आसपास की छतों की भी जांच कराई गई। डीआईजी ने जोन और सेक्टरवार व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए अतिरिक्त त्वरित प्रतिक्रिया दल की तैनाती, औघड़नाथ मंदिर में सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष शीघ्र तैयार करने, स्थानीय अभिसूचना इकाई से लगातार संपर्क बनाए रखने तथा संवेदनशील क्षेत्रों में मोबाइल पुलिसिंग बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने यातायात सुचारु रखने, पुलिस बल की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, शराब की दुकानों को पूरी तरह ढकने और मांस व अंडे की दुकानों को बंद रखने के निर्देश भी दिए। शिविर संचालकों और जनप्रतिनिधियों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का उत्साहवर्धन करते हुए डीआईजी ने अगले चार दिनों तक पूरी सतर्कता, अनुशासन और समर्पण के साथ दायित्व निभाने पर जोर दिया तथा कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए।

जमीन कारोबारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, घर में मिला शव

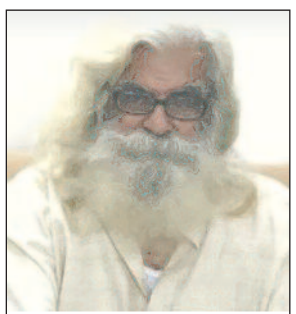

फाइल फोटो अनिल सोती

बिजनौर (शिखर समाचार) । थाना शहर कोतवाली इलाके में शुक्रवार को एक बड़े जमीन कारोबारी का शव उनके आवास पर संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान 80 वर्षीय अनिल कुमार सोती के रूप में हुई है, जो अविवाहित थे और घर में अकेले रहते थे। उनके शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस क्षेत्राधिकारी नगर अभय कुमार पांडे ने बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के शहबाजपुर खाना इलाके में आम का एक बाग है। इसी बाग के अंदर अनिल कुमार सोती का मकान बना हुआ है। 80 वर्षीय अनिल कुमार यहाँ अकेले ही जीवन बसर कर रहे थे। शुक्रवार सुबह पुलिस को सूचना मिली कि उनका शव घर के भीतर संदिग्ध हालत में पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल का मुआयना किया। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्ट्या मृतक के शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं। मौत का वास्तविक और सटीक कारण जानने के लिए मामले की गहनता से जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट आने के बाद ही विधिक कार्रवाई की जाएगी। उधर, स्थानीय लोगों और चचाओं के अनुसार, अनिल कुमार सोती का अपने भतीजे गौरव के साथ जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा था, जो फिलहाल न्यायालय में विचाराधीन है। इस वजह से लोग इस घटना को सीधे तौर पर जमीनी रंजिश और विवाद से जोड़कर देख रहे हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर तफ्तीश में जुटी है।

कांवड़ यात्रा की सुरक्षा पर पुलिस आयुक्त की पैनी नजर, सीसीटीवी से होगी हर गतिविधि की निगरानी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा के शांतिपूर्ण और सुरक्षित संचालन को लेकर गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था व निगरानी तंत्र को अधिक मजबूत कर दिया है। शुक्रवार को पुलिस आयुक्त ने अधिकारियों के साथ कांवड़ मार्ग का स्थलीय भ्रमण किया और पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान कांवड़ मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों, यातायात एवं प्रकाश व्यवस्था का निरीक्षण करने के साथ संवेदनशील स्थानों पर तैनात पुलिस बल की भी समीक्षा की गई।

पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ एवं अपर पुलिस आयुक्त कानून-व्यवस्था राजकरन नैय्यर ने कांवड़ यात्रा के सुचारु संचालन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत विभिन्न क्षेत्रों का निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान थाना मुरादनगर क्षेत्रांतर्गत गंगनहर में जलमार्ग और तटवर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा प्रबंधों को परखा गया। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिस एवं अन्य सुरक्षा बलों की तैनाती की भी समीक्षा की, ताकि कांवड़ियों की आवाजाही के दौरान किसी तरह की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।

इसके बाद मेरठ तिराहे पर स्थित कांवड़ कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया। पुलिस आयुक्त ने कंट्रोल रूम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, निगरानी व्यवस्था और वहां से की जा रही मॉनिटरिंग का बारीकी से अवलोकन किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं की गतिविधियों और यातायात व्यवस्था पर सीसीटीवी के माध्यम से लगातार नजर रखी जाए। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने कांवड़ मार्ग पर श्रद्धालुओं के आवागमन, उपलब्ध सुविधाओं और सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संवेदनशील स्थानों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था का लगातार निरीक्षण करते हुए सतर्क निगरानी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो और सुरक्षा व्यवस्था को निरंतर सक्रिय रखा जाए। कांवड़ शिविरों के आसपास यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए भी प्रभावी उपाय करने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने मार्ग में कांवड़ियों से संवाद भी किया और उनकी यात्रा से जुड़े अनुभव एवं रास्ते की व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की। इससे पुलिस प्रशासन ने जमीनी स्तर पर श्रद्धालुओं की समस्याओं और आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त नगर/ट्रांस हिंडन धवल जायसवाल, पुलिस उपायुक्त ग्रामीण सुरेंद्रनाथ तिवारी, संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त और थाना प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शिविरों में आम नागरिकों का भी मिल रहा है सहयोग : राजीव कुमार ईओ

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। नगरपालिका ईओ राजीव कुमार ने बताया कि नगर में व्यवस्था संभालने हेतु लगाए गए शिविरों में आम नागरिकों का सहयोग भी मिल रहा है और आमजन बढ़ चढ़ कर सहयोग कर रहे हैं।। ज्ञात हो कि कांवड यात्रा के दौरान जहां कांवड़ मार्ग पर सरकारी अमला रात दिन नजर रखें हुए हैं वहीं स्थानीय निवासी भी सहयोग में पीछे नहीं है। नगर क्षेत्र में निजी कांवड़ सेवा शिविर लगाए गए हैं जिनमें निःशुल्क नाश्ता, भोजन के साथ ही दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। पुलिस द्वारा बृहस्पतिवार को शुरू किए गए सेवा शिविर के अलावा पहले से ही नगर में अलकनंदा गंग नहर पुल एवं जानसठ तिराहे पर प्रशासनिक व्यवस्था शिविर भी काम कर रहे हैं। इन शिविरों में कांवड़ियों को रोड़ पर आवागमन में कोई दिक्कत न हो इसका ख्याल रक्खा जा रहा है। वैसे तो प्रशासन द्वारा एन एच 58 पर वाहनों को पूर्णतया बंद कर दिया गया है, परंतु नगर व्यवस्था के अंतर्गत इस मार्ग पर क्षेत्र वासी आ रहे हैं इनके आने के दौरान कांवड़ियों को कोई दिक्कत न हो

इसी व्यवस्था को सुचारू तरीके से चलाने की जिम्मेदारी इन शिविरों पर है और अलग अलग सेवादारों को जिम्मेदारी दी गई है। उधर यहां तैनात पुलिस कर्मी भी कांवड़ियों को सुविधा प्रदान कर रहे हैं, शुक्रवार को भी इन शिविरों में सेवादार अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहे थे, इन शिविरों का संचालन पालिका, पुलिस एवं प्रशासन संयुक्त रूप में करे रहे हैं।

गाजियाबाद में कांवड़ यात्रा की निगरानी के लिए इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम शुरू, 2000 सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा-2026 को सकुशल, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देते हुए मेरठ रोड तिराहे पर जिला प्रशासन एवं सिविल डिफेंस के संयुक्त एकीकृत नियंत्रण कक्ष का औपचारिक शुभारंभ किया। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़, पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने संयुक्त रूप से कंट्रोल रूम का शुभारंभ किया। यहां से कांवड़ मार्ग और प्रमुख धार्मिक स्थलों की 24 घंटे निगरानी की जा रही है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने कहा कि कांवड़ यात्रा पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सबसे बड़ी धार्मिक यात्राओं में शामिल है। लाखों शिवभक्त गाजियाबाद से होकर गुजरते हैं, ऐसे में प्रशासन की प्राथमिकता श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है। यात्रा को सफल बनाने में पुलिस-प्रशासन के साथ नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय नागरिकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कंट्रोल रूम से करीब 2000 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कांवड़ मार्ग, मुरादनगर गंगनहर क्षेत्र, राष्ट्रीय राजमार्ग-58, श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर समेत प्रमुख स्थानों पर लगातार नजर रखी जा रही है। कैमरों से मिलने वाली सूचनाओं के आधार पर जरूरत के मुताबिक तत्काल निर्णय लेने की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की विशेष तैनाती के साथ असामाजिक तत्वों पर भी नजर रखी जा रही है। कांवड़ियों की स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए जिले में 65 एंबुलेंस तैनात की गई हैं। इसके अलावा 25 से अधिक स्वास्थ्य शिविर स्थापित किए गए हैं और 200 से ज्यादा बेड आरक्षित रखे गए हैं। शिविरों में प्राथमिक उपचार, मरहम-पट्टी और आवश्यक चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन का दावा है कि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है। कांवड़ मार्ग पर चौबीसों घंटे सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई है। जलभराव वाले स्थानों पर जेट पंपों के जरिए तत्काल पानी निकालने की व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही पूरे कांवड़ मार्ग को प्लास्टिक मुक्त रखने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। भंडारों में पर्यावरण अनुकूल सामग्री के इस्तेमाल को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि 10 अगस्त को जिले के पांच प्रमुख स्थानों पर कांवड़ यात्रियों के स्वागत के लिए पुष्पवर्षा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप प्रशासन कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों ने सीएमओ से की मुलाकात, चिकित्सकों की उठाई समस्याएं

शामली। (शिखर समाचार) प्रादेशिक चिकित्सा सेवा संघ के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. कृष्ण गोपाल से मुलाकात कर चिकित्सकों की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया। पदाधिकारियों ने चिकित्सकों के हित में कार्य करने के लिए सीएमओ से सहयोग की मांग की। संघ के जिलाध्यक्ष डा. रामनिवास, सचिव डा. विजेन्द्र कुमार और डा. प्रवीन त्यागी ने सीएमओ को पुष्प भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि चिकित्सकों को समय से वेतन मिलना चाहिए। चिकित्सक पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ मरीजों की सेवा करते हैं। ऐसे में यदि किसी चिकित्सक के खिलाफ झूठी शिकायत की जाती है तो कार्रवाई से पहले उसकी निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि चिकित्सकों पर अनावश्यक दबाव नहीं बनाया जाना चाहिए। चिकित्सक दिन-रात मरीजों की सेवा में जुटे रहते हैं और उनकी समस्याओं एवं स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाना जरूरी है। उन्होंने सीएमओ से चिकित्सकों के हितों से जुड़े मामलों में सकारात्मक सहयोग की अपेक्षा जताई।

कौशांबी पुलिस ने वाहन चोर को दबोचा, चोरी की अपाचे बाइक बरामद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कौशांबी थाना पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान एक वाहन चोर को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की। पूछताछ में उसने दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद क्षेत्र में मोटरसाइकिल व स्कूटी चोरी करने तथा चोरी के वाहनों को बेचकर अपने शौक पूरे करने की बात कबूल की। पुलिस इसके अन्य आपराधिक इतिहास की भी जानकारी जुटा रही है। इसी कड़ी में कौशांबी थाना पुलिस टीम इलाके में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने पिरन नंबर-27, एलिवेटेड रोड 2/5 की पुलिया, वैशाली के पास संदिग्ध युवक को रोककर पूछताछ की। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद हुई। जांच में सामने आया कि बरामद बाइक थाना खोड़ा में दर्ज चोरी के मुकदमे से संबंधित है। इसके बाद कौशांबी थाने में बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दयाचन्द्र शर्मा के रूप में हुई। वह वर्तमान में खोड़ा क्षेत्र में किराये के मकान में रह रहा था। मूल रूप से वह ग्राम कूठरी कला थाना अहमदगढ़, जनपद बुलंदशहर का रहने वाला है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्त ने बताया कि वह दिल्ली-एनसीआर और गाजियाबाद क्षेत्र में मोटरसाइकिल तथा स्कूटी चोरी करता है। चोरी किए गए वाहनों को बेचकर मिलने वाली रकम से वह अपने शौक पूरे करता था। बरामद अपाचे मोटरसाइकिल उसने कुछ दिन पहले खोड़ा कॉलोनी के नवीन विहार से चोरी की थी। चोरी की बाइक को बेचने की फिराक में वह उसे लेकर जा रहा था, तभी पुलिस की चेकिंग के दौरान पकड़ा गया। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि इसके कब्जे से चोरी की एक टीवीएस अपाचे मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस अब इसके नेटवर्क और चोरी किए गए अन्य वाहनों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इसके खिलाफ कौशांबी थाने में एक मुकदमा दर्ज है। वहीं इसके अन्य आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

शिव चौक पर कांवड़ सुरक्षा का एडीजी ने लिया जायजा, अफसरों को अलर्ट रहने के निर्देश

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी है। शुक्रवार को अपर पुलिस महानिदेशक मेरठ जोन भानु भास्कर और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर व अन्य पुलिस अधिकारियों के साथ कांवड़ यात्रा के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण शिव चौक का स्थलीय निरीक्षण किया। अधिकारियों ने शिव चौक पर कांवड़ियों की सुरक्षा, यातायात संचालन और भीड़ नियंत्रण के लिए की गई तैयारियों को परखा। रूट डायवर्जन, पुलिस बल की तैनाती, बैरिकेडिंग, सीसीटीवी निगरानी, भीड़ प्रबंधन और आपातकालीन व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने यह भी देखा कि कांवड़ियों के आवागमन में किसी तरह की बाधा न आए और यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे। निरीक्षण के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को पूरी सतर्कता के साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए गए। कांवड़ियों एवं श्रद्धालुओं के साथ विनम्र और सहयोगात्मक व्यवहार करने तथा किसी भी परेशानी की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया। अधिकारियों ने साफ किया कि संदिग्ध गतिविधि, कानून-व्यवस्था से जुड़ी किसी स्थिति या आकस्मिक घटना की सूचना में जरा भी देरी नहीं होनी चाहिए। सूचना मिलते ही उच्चाधिकारियों और नियंत्रण कक्ष को अवगत कराते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एडीजी और डीआईजी ने कहा कि श्रावण कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और सकुशल संपन्न कराना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी अधिकारी और कर्मचारी आपसी समन्वय, सतत निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ ड्यूटी निभाएं।

बेहतर कानून व्यवस्था और सुविधाओं के बीच श्रद्धा के साथ आगे बढ़ रही कांवड़ यात्रा : सुरेश राणा

शामली(शिखर समाचार)। जनपद में कांवड़ यात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। शुक्रवार को ग्राम बुटराडा में संचालित कांवड़ सेवा शिविर तथा ग्राम हिरणवाड़ा की ओर से लगाए गए विशाल कांवड़ सेवा शिविर का पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने उद्घाटन किया। उन्होंने कांवड़ियों का स्वागत करते हुए सेवा शिविरों में की जा रही व्यवस्थाओं की सराहना की। सुरेश राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। कांवड़ मार्गों पर साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश, चिकित्सा, यातायात और सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। प्रशासन और पुलिस लगातार मार्गों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था में हुए सुधार का असर कांवड़ यात्रा में भी दिखाई दे रहा है। शिवभक्त बिना किसी भय के श्रद्धा और आस्था के साथ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने सेवा शिविर लगाने वाले ग्रामीणों और आयोजकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि कांवड़ियों की सेवा धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक भाईचारे की भी मिसाल है। उन्होंने शिवभक्तों से अनुशासन और शांतिपूर्वक यात्रा करने की अपील की। इस दौरान शामली सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, वीर सिंह मलिक, बिल्लू प्रधान बुटराडा, देवेन्द्र शर्मा, प्रिंस जावला, मिंटू प्रधान कासमपुर, सामबीर सिंह, प्रदीप कुमार, बिल्लू प्रधान खानपुर, अंकुर रामू पंडित, सतपाल सिंह, कंवरपाल सिंह, नीरज प्रधान, आदित्य प्रधान, बिजेंद्र शास्त्री, संजय शर्मा, टीकाराम प्रधान, किरणपाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, क्षेत्रवासी और शिवभक्त मौजूद रहे।

इंडिया बायोएनर्जी एवं टेक एक्सपो 2026 : उत्तर प्रदेश बनेगा देश का बायोएनर्जी निवेश हब

गौतमबुद्धनगर (शिखर समाचार) इंडियन फेडरेशन ऑफ ग्रीन एनर्जी एवं उत्तर प्रदेश न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी द्वारा आयोजित किया जाने वाला 'इंडिया बायोएनर्जी एवं टेक एक्सपो 2026ह्न उत्तर प्रदेश को भारत के बायोएनर्जी हब के तौर पर स्थापित करेगा। यह एक्सपो 11-13 अगस्त को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में आयोजित होगा।

NOTICE INVITING TENDER (NIT)
HAPUR-PILKHUWA DEVELOPMENT AUTHORITY (HPDA)
PREET VIHAR, DELHI ROAD, HAPUR
Letter No.: 127 Date: 07/08/2026
E-TENDER NOTICE
E-tenders are invited from bidders (as per details given in tender documents) for "Request for Proposal (RfP) for Selection of Architectural, Urban Design and Traffic Engineering Consultancy Firm for DPR, Detailed Design, Tender Documentation and Construction Supervision Support for Intersection Improvement, Public Realm Enhancement and Streetscape Redevelopment Projects in Hapur". The e-tender documents with detailed specifications, terms and conditions etc. can be downloaded from e-tender portal http://etender.up.nic.in.
The Vice Chairman HPDA reserves the right to cancel any or all bids/ annul e-bidding process without assigning any reason and the decision of HPDA shall be final and binding.
Superintending Engineer, HPDA

संक्षिप्त समाचार

घरों के नल सूखे, बारिश में बाल्टी लेकर निकले लोग

अलीगढ़ , एजेंसी। एक ओर शहर में रुक-रुक कर बारिश हो रही है वहीं दूसरी ओर दुबे का पड़ाव और आसपास के कई मोहल्लों के घरों के नल सूखे पड़े हैं। तीन दिन से जलापूर्ति ठप होने के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। हालात ऐसे हैं कि महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे बारिश में भीगते हुए दुबे का पड़ाव स्थित नलकूप से बाल्टी और डिब्बों में पानी भरकर घर ले जाने को मजबूर हैं।

बृहस्पतिवार को भी नलकूप पर पानी भरने वालों की लंबी कतार लगी रही। किसी के हाथ में बाल्टी थी तो कोई डिब्बा लेकर अपनी बारी का इंतजार करता दिखा। लोगों का कहना है कि तीन दिन से घरों के नलों में पानी नहीं आया है। पीने के पानी से लेकर खाना बनाने और अन्य घरेलू जरूरतों तक के लिए उन्हें काफी दूर से पानी लाना पड़ रहा है। दुबे का पड़ाव के साथ मानिक चौक, धोबी वाली गली, पत्तल वाली गली और कोयला वाली गली भी जल संकट से जूझ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुबे का पड़ाव पर ही लगे दूसरे नलकूप का वाल्व खराब होने पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। इसकी शिकायत कई बार नगर निगम और जलकल विभाग से की जा चुकी है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। बारिश के बीच बार-बार दूसरे नलकूप तक जाना महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए मुश्किल बन गया है।

लोगों ने मांग की है कि जलापूर्ति जल्द बहाल की जाए। जब तक व्यवस्था सामान्य नहीं होती, तब तक प्रभावित क्षेत्रों में नियमित रूप से पानी के टैंकर भेजे जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

कार्यों की धीमी प्रगति पर ठेकेदारों पर लगेगा अर्थदंड

अलीगढ़ , एजेंसी। जिलाधिकारी अविनाश कुमार ने कहा कि जनहित से जुड़ी विकास परियोजनाओं में लापरवाही या अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। कलक्ट्रेट सभागार में 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली अपूर्ण परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम ने धीमी प्रगति वाले कार्यों में जिम्मेदारी तय कर संबंधित ठेकेदारों पर नियमानुसार अर्थदंड लगाने के निर्देश दिए।

उन्होंने सभी विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने भूमि के अभाव में लंबित परियोजनाओं के लिए उप जिलाधिकारियों से समन्वय कर शीघ्र भूमि उपलब्ध कराने और न्यायालय में लंबित मामलों की प्रभावी पैरवी करने को कहा। साथ ही आवंटित धनराशि का समयबद्ध उपयोग कर उपयोगिता प्रमाण-पत्र भेजने के निर्देश दिए।

बैठक में अतरौली पुनर्गठन पेयजल योजना, डिफेंस कॉरिडोर जलापूर्ति, नगर निगम सीमा विस्तार पेयजल योजना, डीडीयू चिकित्सालय की क्रिटिकल केयर यूनिट, साइबर क्राइम थाना भवन, जल निकासी के कार्य, अकराबाद बस स्टेशन, फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट, एटा चुंगी फ्लाईओवर और रामघाट-कल्याण मार्ग के चौड़ीकरण सहित विभिन्न परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

अगले 5 साल में बनेंगे 20 नए विद्युत उपकेंद्र

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र (यूपीएससीआर) में बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अगले पांच वर्षों में 20 नए विद्युत उपकेंद्र बनाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन निगम ने इसकी योजना तैयार की है। इससे यूपीएससीआर के छह जिलों लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, उन्नाव, रायबरेली और हरदोई में बिजली आपूर्ति अधिक मजबूत और निर्बाध होगी। मौजूदा समय में कई उपकेंद्रों पर क्षमता से अधिक भार होने से आपूर्ति प्रभावित हो रही है। योजना के तहत लखनऊ के जेल रोड स्थित आईटी सिटी में 765 केवी क्षमता का विद्युत उपकेंद्र बनेगा, जो यूपीएससीआर का सबसे बड़ा उपकेंद्र होगा। इसके लिए 90 से 110 एकड़ भूमि की आवश्यकता होगी।

परियोजना की अनुमानित लागत 2000 से 2200 करोड़ रुपये है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) निर्माण के लिए जमीन उपलब्ध करा चुका है। अन्य उपकेंद्रों के लिए 12 से 50 एकड़ तक भूमि की जरूरत होगी।

लखनऊ में वरुण विहार, सुल्तानपुर रोड और मोहनलालगंज में 400 केवी के उपकेंद्र प्रस्तावित हैं। वेलनेस सिटी, नैमिष नगर और सुमित्रा विहार योजना मोहनलालगंज में 220 केवी के उपकेंद्र बनेंगे। वहीं, टॉकटोरिया रोड और रायबरेली रोड पर 132 केवी के उपकेंद्र प्रस्तावित हैं।

वर्तमान में यूपीएससीआर में 765 केवी के दो, 400 केवी के तीन, 220 केवी के 17 और 132 केवी के 46 उपकेंद्र संचालित हैं। हरदोई के बघौली, शाहाबाद, श्रीमऊ, लखनऊ के गोमती नगर, मोहान रोड, आवास विकास, जेल रोड, सीतापुर के लहरपुर, महमूदाबाद और रायबरेली के बछरावां, अमावा, त्रिपुला व दलमऊ क्षेत्रों में उपकेंद्रों पर अधिक भार की समस्या है। नए उपकेंद्र बनने से इन क्षेत्रों को राहत मिलेगी।

बाराबंकी, नवाबगंज, हैदरगढ़ व सीतापुर में 400-400 केवी, उन्नाव, रायबरेली, बछरावां, बांगरमऊ व पुरवा में 220-220 केवी और हरदोई में 132 केवी का उपकेंद्र बनाया जाएगा। विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निदेशक (वाणिज्य) रजत जुनेजा का कहना है कि उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए ये एक बड़ी योजना है।

अनुराधा देशवाल बनीं भाकियू भानू महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष, जोरदार स्वागत

बिजनौर (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन (भानू) की नवनियुक्त महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती अनुराधा देशवाल का मंडावली स्थित धर्मशाला में भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अनुराधा देशवाल ने कहा कि वह महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए सदैव तत्पर रहेंगी। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगी। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।इस अवसर पर भाकियू भानू के जिला अध्यक्ष अचल शर्मा और युवा जिला अध्यक्ष विकुल चौधरी ने कहा कि अनुराधा देशवाल के नेतृत्व में महिला मोर्चा संगठन को एक नई ताकत मिलेगी।समारोह में मुख्य रूप से युवा जिला महासचिव अरशद ठेकेदार, जिला संगठन मंत्री अहसान मंसूरी, जिला महासचिव सरफराज मंसूरी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आगरा के एक व्यक्ति से यूं हो गई 10.27 लाख की ठगी

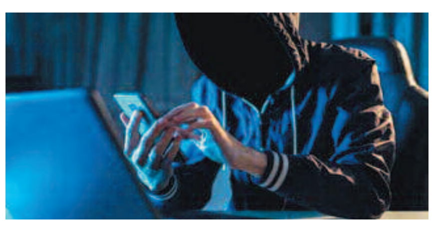

आगरा, एजेंसी। आगरा के कमला नगर निवासी एक व्यक्ति ने ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग ऐप के जरिए 10.27 लाख रुपये की साइबर ठगी का आरोप लगाते हुए साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि वर्ष 2024 के अप्रैल-मई में फेडरेटेड हर्मीस नाम के ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग ऐप के झांसे में आकर उसने अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस और मोबाइल बैंकिंग के माध्यम से कुल 10.27 लाख रुपये जमा कर दिए। पीड़ित ने पहले दो जून 2024 को डीआईजी रेंज कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप है कि जांच के दौरान अधिकारियों ने पंजाब नेशनल बैंक के एक खाते में 1.52 लाख रुपये फ्रीज किए जाने की जानकारी दी थी। बाद में साइबर पोर्टल पर भी ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई गई। पीड़ित का कहना है कि साइबर यूनिट ने कोई रकम फ्रीज नहीं की गई है बोलकर कार्रवाई रोक दी, जबकि डीआईजी कार्यालय में राशि फ्रीज होने की जानकारी दी गई थी। पीड़ित ने अधिवक्ता के माध्यम से भी कार्रवाई का प्रयास किया। अब उसने साइबर थाने में प्राथमिकी दर्ज करवा पूरे मामले की जांच कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और ठगी गई 10.27 लाख रुपये की बरामदगी की मांग की है।

पहली बार बनेगा स्वतंत्र राज्य युवा आयोग; बनेगी नई नीति

युवाओं का मन टटोलेगी यूपी सरकार

लखनऊ, एजेंसी। जेन जी आंदोलन से बदले हालात के बाद प्रदेश सरकार भी युवाओं को साधने में जुट गई है। सरकार अब 16 से 35 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के मन को समझेगी। उनकी जरूरतों, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं के अनुरूप नई युवा नीति बनाएगी।

इसमें विद्यार्थियों, खिलाड़ियों, शोधार्थियों, स्टार्टअप उद्यमियों, युवा पेशेवरों से जुड़े विषयों को शामिल किया जाएगा। युवाओं के समग्र विकास के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकीकृत युवा नीति तैयार का निर्णय लिया है। इसके लिए विशेषज्ञों का एक स्वतंत्र राज्य युवा आयोग का गठन करने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री ने युवा कल्याण विभाग समेत सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करके एकीकृत युवा नीति पर चर्चा की। सीएम ने कहा, नीति तैयार करने से पहले युवाओं के समग्र विकास से जुड़े कार्यक्रमों की सतत मॉनिटरिंग, मूल्यांकन के लिए एक स्वतंत्र आयोग का गठन किया जाए। आयोग नियमित रूप से युवाओं से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा करेगा और उसी आधार पर सुझाव देगा। इसके अलावा सीएम ने सभी विभागों से जुड़ी हर योजनाओं का लाभ हर पात्र युवा को दिलाने का निर्देश अधिकारियों को दिया।

नीति में युवाओं के व्यक्तित्व विकास पर जोर: सीएम ने प्रस्तावित युवा नीति में शिक्षा एवं कौशल विकास, उद्यमिता, रोजगार एवं नवाचार, डिजिटल सशक्तीकरण, स्वास्थ्य, खेल, नेतृत्व विकास तथा संस्कृति एवं विरासत सहित ऐसे सभी बिंदुओं को शामिल करने का निर्देश दिया है जिससे युवाओं के व्यक्तित्व विकास में मदद मिले। उन्होंने युवाओं को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करने के लिए आधुनिक तकनीकों पर आधारित कौशल विकास, एआई, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, ड्रोन, सेमीकंडक्टर तथा अन्य उभरते क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देने का भी निर्देश दिया है।

सभी विकास खंड में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स: सीएम ने सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एंड एम्प्लायमेंट ज़ोन की स्थापना का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग योजना का प्रत्येक विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर तक विस्तार किया जाए। योजना के क्रियान्वयन में युवा आईएएस एवं आईपीएस अधिकारियों सहित अन्य विशेषज्ञों की सहभागिता सुनिश्चित करें।

24 घंटे में 63 सेंटीमीटर बढ़ा गंगा का जलस्तर

वाराणसी, एजेंसी। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब गंगा के जलस्तर पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बीते 24 घंटे में गंगा का जलस्तर 63 सेंटीमीटर बढ़ गया है। जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि को देखते हुए आशंका जताई जा रही है कि शुक्रवार तक मणिकर्णिका घाट पर शवदाह स्थल और दशाश्वमेध व राजेंद्र प्रसाद घाट पर होने वाली गंगा आरती का स्थान बदलना पड़ सकता है। स्थिति को देखते हुए जल पुलिस और एनडीआरएफ को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

केंद्रीय जल आयोग के अनुसार बुधवार को गंगा का जलस्तर 62.03 मीटर दर्ज किया गया था, जो बृहस्पतिवार रात तक बढ़कर 62.66 मीटर पहुंच गया। लगातार हो रही बारिश के चलते जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी जारी है। यदि यही रफ्तार बनी रही तो आने वाले एक-दो दिनों में घाटों पर

जलभराव और बढ़ सकता है।

बढ़ते जलस्तर के कारण मणिकर्णिका घाट के समीप स्थित रत्नेश्वर महादेव मंदिर तथा बालाजी घाट के अधिकांश छोटे-बड़े मंदिर पानी में डूब चुके हैं। मणिकर्णिका घाट पर शवदाह स्थल से पानी की दूरी अब लगभग 10 फीट रह गई है। ऐसे में प्रशासन हालात पर लगातार नजर बनाए हुए है। यदि जलस्तर और बढ़ता है तो शवदाह स्थल को ऊंचाई वाले स्थान पर स्थानांतरित किया जाएगा, ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया प्रभावित न हो।

दशाश्वमेध और राजेंद्र प्रसाद घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती को लेकर भी प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था की तैयारी शुरू कर दी है। घाटों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जल पुलिस तथा एनडीआरएफ की टीमें लगातार निगरानी कर रही हैं। प्रशासन ने लोगों से घाटों पर सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से गंगा किनारे न जाने की अपील की है।

राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा ने सीएम को संबोधित 6 सूत्रीय ज्ञापन डीएम को सौंपा

बिजनौर (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय वाल्मीकि क्रांतिकारी मोर्चा के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित एक 6 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी जसजीत कौर को सौंपा। इस ज्ञापन में नगर पालिकाओं में रिक्त पदों पर स्थाई भर्ती करने, ठेका प्रथा समाप्त करने, संविदा कर्मियों को स्थाई करने और प्रदेश में आगामी चुनावों में अनुसूचित जाति (रउ) सीटों पर वाल्मीकि समाज को कम से कम 15 टिकट दिए जाने जैसी प्रमुख मांगें शामिल हैं।शुक्रवार सुबह 11 बजे मोर्चा के सैकड़ों कार्यकर्ता बिजनौर के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस पर एकत्र हुए। वहां से मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढी, प्रदेश महामंत्री मनोज वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष यश कुमार, जिला अध्यक्ष विशाल पारछा और रंजीत पवार के नेतृत्व में कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट स्थित डीएम कार्यालय पहुंचे। ज्ञापन में उठाई गईं प्रमुख मांगो में प्रदेश के स्थानीय निकायों

में वर्षों से कार्यरत सफाई कर्मियों को तुरंत नियमित किया जाने,सफाई कार्य में ठेकेदारी प्रथा को पूरी तरह समाप्त कर एक लाख सफाई कर्मचारियों की नई स्थाई भर्ती निकाली जाने, वर्तमान में कार्यरत आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों को मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुसार ₹20 हजार प्रति माह न्यूनतम वेतन दिया जाने तथा आउटसोर्स सेवा निगम का शीघ्र गठन हो ताकि सफाई कर्मियों का वेतन और अन्य सुविधाएं समय पर मिल सके आदि मांगे शामिल है। ज्ञापन सौंपने से पहले पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र सोढी की अध्यक्षता में एक बैठक भी आयोजित हुई, जिसमें समाज की समस्याओं और भावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

इलाज में लापरवाही से 7 वर्षीय मासूम की मौत, अस्पताल में हुआ हंगामा

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली इलाके के गोपाल हॉस्पिटल में डॉक्टरों की कथित लापरवाही के चलते एक सात वर्षीय मासूम बच्ची की दर्दनाक मौत हो गई। बच्ची की मौत से गुस्साए परिजनों और स्थानीय पत्रकारों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया और कार्रवाई की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए। देर रात तक चले इस हाई वोल्टेज ड्रामे के बाद अस्पताल के संचालक ने मृतका की मां के पैर पकड़कर माफी मांगी, जिसके बाद मामला शांत हुआ। दूसरी ओर, मामले की गंभीरता को देखते हुए मुख्य चिकित्साधिकारी ने तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच कमेटी का गठन कर दिया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, हल्दौर निवासी संजीव मिश्रा और उनकी पत्नी प्रीति मिश्रा की सात वर्षीय बेटी प्रिशा को तेज बुखार होने के कारण गोपाल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों का आरोप

है कि बच्ची को अस्पताल में दाखिल करने के बाद चिकित्सकों ने उसकी हालत को लेकर देर शाम तक कोई जानकारी नहीं दी। परिजनों ने सीधा आरोप लगाया कि डॉक्टरों और स्टाफ की घोर लापरवाही और सही समय पर इलाज न मिलने के कारण बच्ची ने दम तोड़ दिया। मृत बच्ची के पिता संजीव मिश्रा पेशे से पत्रकार हैं। जैसे ही उनकी बेटी की मौत और अस्पताल की लापरवाही की खबर फैली, भारी संख्या में स्थानीय पत्रकार गोपाल हॉस्पिटल पहुंच गए। पत्रकारों ने पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने और दोषी डॉक्टरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। मामले को बढ़ता देख अस्पताल के संचालक डॉक्टर पंकज चौधरी बैकफुट पर आ गए। उन्होंने मृतका की मां के पैर पकड़कर अपनी गलती के लिए माफी मांगी और गहरा खेद व्यक्त किया। चिकित्सकों के माफी मांगने और उचित कानूनी कार्रवाई के आश्वासन के बाद देर रात धरना समाप्त हुआ। पत्रकारों और परिजनों के भारी विरोध प्रदर्शन को गंभीरता से लेते हुए सीएमओ डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह ने तत्काल प्रभाव से प्रकरण की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है। इस जांच कमेटी में डिप्टी सीएमओ डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा को अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि डॉक्टर राजेश कुमार डाबरे और बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर राजेश कुमार को सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। सीएमओ ने आश्वासन दिया है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।इस दुखद घटना को लेकर स्थानीय पुलिस को तहरीर सौंप दी गई है, जिसमें अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर लापरवाही का मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई है। उधर, इस संवेदनशील मामले को लेकर कई सामाजिक संगठन भी पीड़ित परिवार के समर्थन में मैदान में उतर आए हैं और उन्होंने बिजनौर के निजी अस्पतालों में हो रही इस तरह की लापरवाहियों पर रोक लगाने की मांग की है।

डीएम के निर्देशों की अनदेखी! कांवड़ मार्ग पर शाखाएं काटने के बजाय कटवा दिए हरे पेड़, सूखे पेड़ों पर वन विभाग मौन

व्यापारी को लाभ पहुंचाने के आरोप, डीएम ने लिया संज्ञान; डीएफओ से मांगी रिपोर्ट

हापुड़ (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों की अनदेखी का मामला सामने आया है। आरोप है कि वन विभाग ने कांवड़ मार्ग पर अवरोधक शाखाओं की छंटाई कराने के बजाय एक व्यापारी को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से गढ़-दिल्ली रोड स्थित एक मॉल के बाहर तीन हरे पेड़ों को जड़ से कटवा दिया। मामले के सामने आने के बाद जिलाधिकारी कविता मीना ने संज्ञान लेते हुए डीएफओ से रिपोर्ट तलब की है।

कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले जिलाधिकारी ने वन विभाग को केवल उन पेड़ों की शाखाओं की छंटाई कराने के निर्देश दिए थे, जो कांवड़ मार्ग में बाधा बन रही थीं। आरोप है कि इन निर्देशों के विपरीत हरे-भरे पेड़ों को ही काट दिया गया। वहीं दूसरी ओर गढ़-दिल्ली रोड पर सड़क किनारे खड़े करीब एक दर्जन सूखे पेड़ अब भी हादसों को न्योता दे रहे हैं, लेकिन वन विभाग की नजर इन पर नहीं पड़ी। स्थानीय लोगों का कहना है कि

विभाग सूखे और खतरनाक पेड़ों को हटाने के बजाय हरे पेड़ों पर कार्रवाई कर रहा है।

शहर में चर्चा का विषय बनी कार्रवाई

मॉल के बाहर हरे पेड़ों की कटाई के बाद शहर में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। लोगों का कहना है कि यदि कांवड़ यात्रा के नाम पर कार्रवाई करनी थी तो पूरे मार्ग पर अवरोधक शाखाओं की छंटाई की जाती, न कि चुनिंदा स्थान पर हरे पेड़ों को काटा जाता।

डीएफओ बोले दो पेड़ों की ही अनुमति थी

प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) गौतम सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा और हाईटेंशन विद्युत लाइन को ध्यान में रखते हुए दिल्ली रोड स्थित मोहल्ला चमरी के निकट मॉल के बाहर दो हरे पेड़ों को काटने की अनुमति दी गई थी। यदि दो से अधिक पेड़ काटे गए हैं तो मामले की जांच कर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने मांगी पूरी जानकारी

जिलाधिकारी कविता मीना ने कहा कि वन विभाग को केवल कांवड़ मार्ग में बाधा बनने वाली शाखाओं की छंटाई के निर्देश दिए गए थे। हरे पेड़ों की कटाई के मामले में डीएफओ से विस्तृत जानकारी मांगी गई है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आवारा कुत्तों की समस्या के समाधान को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की नई पहल, हर सप्ताह होगी सोसायटीवार बैठक

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा की आवासीय सोसायटियों और सेक्टरों में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या के समाधान के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने नई पहल शुरू की है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी एनजी रवि कुमार के निर्देश पर अब प्रत्येक बृहस्पतिवार को सोसायटीवार बैठक आयोजित की जा रही है, जिसमें सभी संबंधित पक्षों की सहमति से कुत्तों के लिए भोजन स्थल निर्धारित करने और आपसी विवादों का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा। प्राधिकरण के महाप्रबंधक आरके भारती की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इन बैठकों में मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, थाना प्रभारी, जिला पशु क्रूरता निवारण समिति, प्राधिकरण के पशु चिकित्सक, एचसीएल फाउंडेशन, अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, एस्टेट प्रबंधक तथा डॉग फीडर शामिल हो रहे हैं। बैठकों में पशु जन्म नियंत्रण नियमों के संबंध में भी लोगों को जागरूक किया जा रहा है। प्राधिकरण ने 31 दिसंबर तक 24 सोसायटियों का तिथिवार कार्यक्रम जारी किया है। अब तक सेवियर ग्रीन आर्क, पार्श्वनाथ पैनोरमा और महागुन मायवुड सोसायटी के साथ बैठकें आयोजित

की जा चुकी हैं। अगली बैठक 13 अगस्त को टेकजोन-4 स्थित हिमालया प्राइड सोसायटी के प्रतिनिधियों के साथ प्राधिकरण कार्यालय के छठे तल स्थित बोर्ड कक्ष में होगी। इसके बाद वर्ष के अंत तक विभिन्न सोसायटियों के साथ क्रमवार बैठकें आयोजित की जाएंगी। अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्रीलक्ष्मी वीएस ने उम्मीद जताई कि इस पहल से सभी सोसायटियों में भोजन स्थल तय करने के साथ ही आवारा कुत्तों को लेकर उत्पन्न विवादों का शांतिपूर्ण समाधान निकालने में सफलता मिलेगी।

कांवड़ यात्रा : भाजपाइयों ने कांवडियों पर की पुष्प वर्षा

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कांवड़ यात्रा का उल्लास उस वक्त चरम पर पहुंच गया जब कांवडियों पर पुष्प वर्षा की गई। हर हर महादेव और बम बम भोले के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया। कस्बे के कांधला रोड पर शुक्रवार को भाजपा नेता नितिन मलिक एवं कार्यकताओं ने नगर में आने वाले कांवडियों पर पुष्प वर्षा की। भाजपाइयों द्वारा पुष्प वर्षा करते हुए हर हर महादेव और बम बम भोले के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो गया।

सड़कों पर फूल ही फूल बिखरे नजर आए। इससे शिवभक्तों में नई ऊर्जा का संचार हो गया। कांवडियों के कदम तेजी से गतंव्य की ओर बढ़ते दिखे। भाजपा नेता नितिन मलिक ने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल आस्था का पर्व नही बल्कि भगवान शिव के प्रति अटूट श्रद्धा, सेवा भावना और सामाजिक एकता का प्रतीक है। शिवभक्तों की सेवा करना सनातन संस्कृति की महान परंपरा को दशार्ता है। इस दौरान पूर्व मंडल अध्यक्ष भारत ठाकुर, मुकेश उकावली, राकेश राजपूत, शाहिद असलम, पुनीत शर्मा, रवि प्रताप, मनमोहन कश्यप, आकाश राजपूत, अमित, शंकर पाल, आयुष गोयल आदि मौजूद रहे।

30 रुपये में 24 घंटे डॉक्टर से ऑनलाइन परामर्श की सुविधा शुरू

नोएडा (शिखर समाचार)। आम नागरिकों, वरिष्ठ नागरिकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को सस्ती एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नोएडा लोक मंच और फेलिक्स हॉस्पिटल ने संयुक्त रूप से नई ऑनलाइन स्वास्थ्य सेवा का शुभारंभ किया है। इस सेवा के माध्यम से अब लोग मात्र 30 रुपये में चौबीसों घंटे अनुभवी चिकित्सकों से वीडियो के माध्यम से परामर्श प्राप्त कर सकेंगे। इसके साथ ही मरीजों को ई-पर्चा, ऑनलाइन समय निर्धारण, आपातकालीन स्वास्थ्य सहायता तथा अन्य चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। सेक्टर-15 स्थित नोएडा पब्लिक लाइब्रेरी में आयोजित पत्रकार वार्ता में फेलिक्स हॉस्पिटल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. डी.के. गुप्ता ने बताया कि चिकित्सकीय परामर्श के बाद मरीजों को डिजिटल पर्चा उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अनावश्यक रूप से अस्पताल आने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में 15 से 20 किलोमीटर के दायरे में संचालित दवा केंद्रों से दवाओं पर 15 प्रतिशत तक की छूट मिलेगी। आवश्यकता पड़ने पर निःशुल्क एम्बुलेंस सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी, जो मरीज को जरूरत के अनुसार फेलिक्स हॉस्पिटल अथवा सरकारी अस्पताल तक पहुंचाएगी। अस्पताल में भर्ती होने पर उपचार सेवाओं पर 30 प्रतिशत तक की विशेष छूट भी दी जाएगी। नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना ने बताया कि यह पहल विशेष रूप से बुजुर्गों, दिव्यांगों और ऐसे मरीजों के लिए लाभकारी होगी, जिन्हें अस्पताल आने जाने में कठिनाई होती है। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श तथा लाभार्थियों के स्वास्थ्य कार्ड भी बनाए जाएंगे। कार्यक्रम में डॉ. रश्मि गुप्ता सहित दोनों संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे। इस पहल को स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण और आमजन तक समय पर चिकित्सा सुविधा पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

रंगत में आई कांवड़ यात्रा, भगवा रंग में रंगा शामली

शामली।(शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा अब पूरी तरह रंगत में आ गई है। हरिद्वार से गंगाजल लेकर लौट रहे शिवभक्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों के साथ शहर की प्रमुख सड़कों पर दिन-रात भगवा वस्त्रों में कांवड़ियों का सैलाब नजर आने लगा है। शिवभक्तों के जयकारों, डीजे पर गूंजते शिव भजनों और कांवड़ सेवा शिविरों में चल रही सेवा से पूरा जनपद शिवमय नजर आ रहा है। सावन शिवरात्रि का पर्व नजदीक आने के साथ अगले दो-तीन दिनों में पैदल कांवड़ियों की संख्या चरम पर पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है। प्रमुख कांवड़ मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही चिकित्सा, पेयजल, साफ-सफाई और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कांवड़ यात्रा से जुड़े लोगों के अनुसार इस समय पैदल कांवड़ियों के प्रमुख जत्थे हरिद्वार से लौट रहे हैं। आगामी दिनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जनपद से

होकर गुजरने की संभावना है। इसके बाद डाक कांवड़ का दौर शुरू होगा। डाक कांवड़ के दौरान हाईवे और प्रमुख मार्गों पर तेज गति से दौड़ने वाले कांवड़ियों को देखते हुए पुलिस विशेष सतर्कता बरतेगी।

पहली बार कांवड़ लेकर निकली 15 वर्षीय काजल

कांवड़ मार्ग पर दिलबाग अपनी 15 वर्षीय भतीजी काजल के साथ कांवड़ लेकर जाते मिले। कक्षा नौ की छात्रा काजल पहली बार कांवड़ यात्रा पर निकली है। उसने बताया कि उसने हाईस्कूल की परीक्षा अच्छे अंकों से पास करने की मन्नत मांगी है। काजल का कहना है कि अगले वर्ष भी वह कांवड़ लेकर आएगी।

सेवा शिविरों में बढ़ी रौनक

कांवड़ियों की संख्या बढ़ने के साथ ही जिले में संचालित करीब 50 छोटे-बड़े कांवड़ सेवा शिविरों में भी रौनक बढ़ गई है। शिविरों में चौबीसों घंटे भोजन, दूध, शरबत, फल, चाय, चिकित्सा, विश्राम और स्नान सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्थानीय लोग भी बढ़-चढ़कर शिवभक्तों की सेवा में जुटे हुए हैं।अगर चाहें तो इसे मैं और दमदार फ्रंट-पेज लीड खबर के रूप में भी बना सकता हूं।

कांवड़ियों के बीच पहुंचे एसपी एनपी सिंह, अधिकारियों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह ने आदर्शमंडी थाना क्षेत्र के बनत चौराहा स्थित विभिन्न कांवड़ शिविरों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने शिवभक्त कांवड़ियों से आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना और शिविरों में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। एसपी ने शिविरों में पेयजल, चिकित्सा, प्रकाश, स्वच्छता, बैरिकेडिंग, यातायात और सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सभी व्यवस्थाएं लगातार दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। कांवड़ियों से बातचीत करते हुए उन्होंने सुरक्षित और निर्बाध यात्रा का भरोसा दिलाया। उन्होंने कांवड़ मार्ग पर तैनात पुलिसकर्मियों को श्रद्धालुओं के साथ सौहार्दपूर्ण एवं संवेदनशील व्यवहार करने और पूरी सतर्कता के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए। साथ ही किसी भी सूचना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। एसपी ने स्पष्ट किया कि कांवड़ियों की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या सामने आने पर उसका तत्काल समाधान कराया जाए। जनपद पुलिस द्वारा पूरे कांवड़ मार्ग पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है।

संत रविदास जयंती के 650वें वर्ष पर निकली समरसता संकल्प कलश यात्रा

थानाभवन/शामली। (शिखर समाचार) संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से शुरू हुई कलश यात्रा शुक्रवार को शामली से होते हुए थानाभवन विधानसभा क्षेत्र के हिंड पुलिया पहुंची। यहां यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद कलश यात्रा गांव हरड़ पहुंची, जहां पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेश राणा ने ग्रामीणों और श्रद्धालुओं के साथ श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक यात्रा का स्वागत किया। गांव में कलश यात्रा के पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। सुरेश राणा ने कलश को अपने सिर पर धारण कर श्रद्धा के साथ मंदिर तक पहुंचाया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिलाएं और युवा मौजूद रहे। श्रद्धालुओं ने संत रविदास महाराज के जयकारे लगाए और सामाजिक समरसता, एकता एवं भाईचारे का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुरेश राणा ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता, समानता और भाईचारे के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उनके विचार आज भी समाज को एकजुट करने और सामाजिक समरसता मजबूत करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि वाराणसी से शुरू हुई यह यात्रा विभिन्न क्षेत्रों में संत रविदास जी के समतामूलक समाज के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। कलश यात्रा के दौरान पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। ग्रामीणों ने यात्रा में शामिल संतों और श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए अभियान को सफल बनाने में सहयोग दिया। कार्यक्रम में राजेंद्र चौधरी, आनंद पुंडीर, बृजेश वाल्मीकि, राजेश मलिक, मंडल अध्यक्ष पवन गौतम, ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि दीपक कोरी, राजू राणा, लाल सिंह चौहान, लाला राणा, महेश गोयल, संदीप मोगा, अमरीश सैनी और वीरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

9 से 17 अगस्त तक चलेगा हर घर तिरंगा अभियान, तैयारियों में जुटा प्रशासन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 9 से 17 अगस्त तक आयोजित होने वाले हर घर तिरंगा अभियान-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में शुक्रवार को वर्चुअल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की कार्ययोजना, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों और तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से अभियान संचालित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का महापर्व है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों तथा सार्वजनिक संस्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज पूरे सम्मान के साथ फहराया जाए। साथ ही तिरंगा थीम पर सजावट, रंगोली, चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद, खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। ग्राम पंचायतों में सेल्फी प्वाइंट विकसित करने, अमृत सरोवरों पर विशेष कार्यक्रम आयोजित करने तथा बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों को तिरंगा थीम से सजाने के निर्देश भी दिए गए। जिलाधिकारी ने रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों, व्यापार मंडलों, औद्योगिक संस्थानों, शैक्षणिक संस्थानों तथा आम नागरिकों से अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने और अपने घरों व प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराने की अपील की। उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े सभी प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के साथ 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' गरिमापूर्ण ढंग से मनाने तथा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीद सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भालचंद्र त्रिपाठी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव बने सलीम खान, जेवर में कार्यकताओं ने किया भव्य स्वागत

जेवर (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी ने जेवर के मोहल्ला सराय नैन सिंह निवासी सलीम खान को सपा लोहिया वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय सचिव नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के समाजवादी पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का माहौल है। शुक्रवार को जेवर में कार्यकताओं ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

राष्ट्रीय सचिव बनाए जाने पर सलीम खान ने पार्टी नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया जाएगा तथा आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकताओं के साथ मिलकर पूरी ताकत से अभियान चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार

पर सुनकर उनके समाधान के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साथ ही पार्टी कार्यकताओं से अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने और बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

सलीम खान की नियुक्ति को लेकर जेवर क्षेत्र के समाजवादी पार्टी कार्यकताओं ने इसे संगठन के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारी बताते हुए खुशी जताई और विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई मजबूती मिलेगी।

डीआईजी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, समयबद्ध और निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

सहारनपुर(शिखर समाचार)। शासन के निदेर्शों के क्रम में शुक्रवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने परिक्षेत्र कार्यालय में जनसुनवाई की। इस दौरान सहारनपुर परिक्षेत्र के विभिन्न जनपदों से पहुंचे फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों ने अपनी समस्याएं डीआईजी के समक्ष रखीं। डीआईजी ने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी निस्तारण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ लिया जाए तथा उसका निस्तारण निर्धारित समयसीमा में संतोषजनक ढंग से सुनिश्चित किया जाए। डीआईजी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतकर्ता को उसकी शिकायत पर की जा रही कार्रवाई और समाधान की प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि जनसमस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संवेदनशीलता से ही आमजन का पुलिस व्यवस्था पर विश्वास मजबूत होता है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि फरियादियों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।

चौपाल और बारात घर पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

शामली (शिखर समाचार)। गांव भैंसवाल के ग्रामीणों ने चौपाल एवं बारात घर की भूमि पर कब्जा कर वहां ग्राम पंचायत सचिवालय बनाए जाने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने मामले की जांच कर कार्रवाई कराने और सार्वजनिक स्थल को कब्जामुक्त कराने की मांग की।

ग्रामीणों का कहना है कि थाना गढ़ीपुख्ता क्षेत्र के गांव भैंसवाल स्थित उक्त भूमि वर्षो से ग्रामीणों के सामूहिक एवं सामाजिक कार्यों के लिए उपयोग में लाई जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार यहां वर्ष 1981 से बारात घर संचालित है, जहां गांव के चारों मोहल्लों की बारातें ठहरती हैं और विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं। उनका दावा है कि भूमि से संबंधित उनके पास अभिलेख और अन्य प्रमाण भी मौजूद हैं।

शिकायती पत्र में आरोप लगाया गया कि ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव द्वारा सार्वजनिक स्थल को ग्राम पंचायत सचिवालय में परिवर्तित करने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि इससे पहले भी मामले की शिकायत की गई थी। तहसील दिवस में जिलाधिकारी ने मामले का संज्ञान लेते हुए बीडीओ को संबंधित स्थान खाली कराने के निर्देश दिए थे। बीडीओ द्वारा कार्रवाई के लिए समय मांगे जाने पर ग्रामीणों ने समय दिया, लेकिन उनका कहना है कि अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है।

ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सार्वजनिक स्थल को सुरक्षित रखने और ग्राम पंचायत सचिवालय बनाए जाने के प्रयास पर रोक लगाने की मांग की। इस दौरान परविंद्र, सागर, यशवीर, सीटू, सोराज, पप्पू, सुरेश और मांगेराम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

गोलगप्पे, चाट और दूध-पेठे से कांवड़ियों की सेवा, समर्पण सेवा ट्रस्ट के शिविर में उमड़ी रौनक

शामली (शिखर समाचार)। कस्बा बनत में समर्पण सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद से संचालित विशाल कांवड़ सेवा शिविर में शुक्रवार को कांवड़ियों के लिए विशेष व्यंजनों की सेवा की गई। शिविर में शिवभक्तों को गोलगप्पे, ठंडी चाट, दूध-पेठा और घेवर सहित विभिन्न व्यंजन परोसे गए। व्यंजनों का कांवड़ियों ने उत्साह के साथ आनंद लिया। शिविर में कांवड़ियों के लिए चिकित्सा सेवा भी लगातार जारी है। शुक्रवार को डा. प्रशांत शर्मा, मनजीत पुंडीर और डा. नीरज कुमार ने शिवभक्तों को प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया।

संस्था के संस्थापक अमन नामदेव ने बताया कि शिविर जनपदवासियों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। ट्रस्ट का उद्देश्य शिविर में पहुंचने वाले प्रत्येक कांवड़िये को बेहतर से बेहतर सेवा उपलब्ध कराना है।

जिला अध्यक्ष एडवोकेट सूरज वर्मा ने बताया कि ट्रस्ट की ओर से यह तीसरा कांवड़ सेवा शिविर लगाया गया है। संस्था वर्षभर विभिन्न सेवा कार्य भी करती है, जिनमें कांवड़ सेवा शिविर प्रमुख है। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा भाव से कार्य करने के लिए तत्पर रहेगा। इस अवसर पर अशोक सिंघल, कुलदीप बंसल, रजत नामदेव, पिंकू धीमान, राजेश शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी राहुल बेदी सहित ट्रस्ट के सदस्य और स्वयंसेवक मौजूद रहे।

कांवड़ मार्गों पर डीएम-एसपी की नजर, श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर परखी व्यवस्थाएं

शामली(शिखर समाचार)। श्रावण कांवड़ यात्रा-2026 के मद्देनजर जिलाधिकारी आलोक यादव और पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह ने शुक्रवार को जनपद के विभिन्न कांवड़ मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कांवड़ शिविरों, विश्राम स्थलों और चिकित्सा सहायता केंद्रों का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान पेयजल, प्रकाश, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, यातायात एवं डायवर्जन व्यवस्था के साथ सुरक्षा प्रबंधों को भी परखा गया। डीएम और एसपी ने कांवड़ यात्रियों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना और व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। श्रद्धालुओं ने प्रशासन और पुलिस की ओर से की गई व्यवस्थाओं पर संतोष जताया। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता के

साथ जिम्मेदारी निभाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। यातायात सुचारू रखने, आपातकालीन सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराने, भीड़ प्रबंधन तथा संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी के निर्देश दिए गए। साथ ही सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से निगरानी तथा सोशल मीडिया पर सतर्क दृष्टि बनाए रखने को कहा गया। किसी भी सूचना पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि शिवभक्तों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि कांवड़ यात्रा को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित संपन्न कराने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कांवड़ मार्गों पर लगातार गश्त और पिकेट ड्यूटी की जा रही है, जबकि वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से भ्रमण कर व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

एनडीए का नया विस्तार और भारतीय राजनीति की बदलती दिशा

भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन, दल-बदल और नए समीकरण कोई नई बात नहीं हैं, लेकिन जब इन घटनाओं का प्रभाव संसद की शक्ति-संतुलन, सरकार की स्थिरता और भविष्य की राजनीति पर पड़ने लगे, तब वे केवल राजनीतिक खबर नहीं रह जातीं बल्कि राष्ट्रीय विमर्श का विषय बन जाती हैं। अगस्त 2026 में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लगातार बढ़ते दायरे, विपक्षी दलों के कई सांसदों के सत्ता पक्ष के साथ आने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एनडीए के नए लोकसभा सांसदों के साथ आयोजित नाश्ता बैठक ने यह स्पष्ट संकेत दिया है कि देश की राजनीति एक नए चरण में प्रवेश कर रही है। प्रधानमंत्री द्वारा यह कहना कि "एनडीए एक परिवार है, हर सहयोगी दल का सम्मान होगा और मैं प्रत्येक सांसद के साथ खड़ा हूं" केवल एक औपचारिक संदेश नहीं बल्कि गठबंधन राजनीति के लिए एक रणनीतिक घोषणा भी माना जाना चाहिए। ऐसे समय में जब पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) का दामन थामने के बाद एनडीए के साथ राजनीतिक निकटता बढ़ाई है और शिवसेना (उद्धव गुट) के छह सांसद भी शिंदे गुट के साथ आ चुके हैं, तब यह बदलाव विपक्ष के लिए गंभीर चुनौती और सत्ता पक्ष के लिए अवसर दोनों बनकर उभरा है।

लोकतंत्र में किसी भी दल का विस्तार केवल संख्या का खेल नहीं होता बल्कि विश्वास, नेतृत्व और राजनीतिक स्वीकार्यता का भी प्रतीक होता है। यदि विभिन्न राज्यों के सांसद अपने पुराने दलों को छोड़कर किसी नए राजनीतिक विकल्प या सत्तारूढ़ गठबंधन के साथ जुड़ने का निर्णय लेते हैं तो उसके पीछे केवल तत्कालीन राजनीतिक परिस्थितियां नहीं होतीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का आकलन भी शामिल रहता है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री की यह बैठक केवल स्वागत समारोह नहीं थी, बल्कि नए सहयोगियों को यह भरोसा देने का प्रयास भी थी कि गठबंधन में उनकी भूमिका सम्मानजनक और प्रभावशाली रहेगी। भारतीय राजनीति में कई बार छोटे दलों और नए सहयोगियों ने यह शिकायत की है कि बड़े दल उनके राजनीतिक अस्तित्व को पर्याप्त महत्व नहीं देते, लेकिन यदि एनडीए वास्तव में "परिवार" की अवधारणा को व्यवहार में बदलने में सफल रहता है तो यह गठबंधन राजनीति का एक नया मॉडल भी बन सकता है।

हालांकि इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। लगातार हो रहे दल-बदल से यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि मतदाता ने जिस विचारधारा, नेतृत्व और चुनावी घोषणा-पत्र के आधार पर सांसद को चुना था, क्या उस जनादेश का सम्मान हो रहा है? लोकतंत्र में जनता केवल व्यक्ति को नहीं, बल्कि उसके राजनीतिक दल और उसकी नीतियों को भी समर्थन देती है। यदि चुनाव जीतने के कुछ समय बाद ही जनप्रतिनिधि अपना दल बदल लेते हैं तो मतदाताओं के मन में असंतोष और अविश्वास पैदा होना स्वाभाविक है। दल-बदल विरोधी कानून होने के बावजूद विभिन्न राजनीतिक परिस्थितियों में उसके प्रावधानों का अलग-अलग तरीके से उपयोग होता रहा है। इसलिए यह समय इस कानून की प्रभावशीलता और लोकतांत्रिक नैतिकता पर गंभीर चर्चा का भी है। विपक्ष के सामने भी यह घटनाक्रम आत्ममंथन का अवसर है। यदि किसी दल के भीतर लगातार असंतोष पैदा हो रहा है, सांसद नेतृत्व से दूरी बना रहे हैं और संगठन में संवाद की कमी महसूस की जा रही है, तो केवल सत्ता पक्ष को दोष देकर जिम्मेदारी से बचा नहीं जा सकता। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में संगठन की मजबूती केवल चुनाव जीतने से नहीं बल्कि कार्यकर्ताओं, नेताओं और जनप्रतिनिधियों के बीच निरंतर संवाद और विश्वास कायम रखने से होती है। यदि नेतृत्व संवादहीन हो जाए, निर्णय कुछ लोगों तक सीमित रह जाएं और क्षेत्रीय नेताओं की उपेक्षा होने लगे तो टूट की संभावना बढ़ जाती है। इसलिए विपक्ष के लिए यह समय केवल आरोप लगाने का नहीं बल्कि अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को दूर करने का भी है।

~ मौलिक चिंतन ~

'उच्च कोटि के नीच' अपनी ओछी से ओछी हरकत पर भी कभी शर्मिंदा नहीं होते हैं।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

चिंताजनक है दुनिया में अनाथ बच्चों की संतप्त दुर्दशा

मनोज कुमार अग्रवाल

विश्वभर में कुल अनाथ बच्चों की संख्या लगभग 14 करोड़ से 14.7 करोड़ के बीच अनुमानित है। इनमें से युद्ध, सशस्त्र संघर्ष और आपदाओं की वजह से अनाथ या प्रभावित हुए बच्चों की संख्या भी लगभग 14 करोड़ के करीब आंकी जाती है, क्योंकि कई वैश्विक संगठन युद्ध और आपदाओं से पीड़ित अनाथों को कुल आंकड़ों का एक बड़ा हिस्सा मानते हैं। दुनिया भर में लगभग 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं इनमें माता या पिता दोनों में से किसी एक या दोनों को खोने वाले बच्चे शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, दुनिया के संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों में करोड़ों बच्चे रहते हैं। अकेले युद्ध या आपदाओं के कारण संकट झेलने वाले और माता-पिता को खोने वाले बच्चों का आंकड़ा 14 करोड़ के आसपास है।एशिया में लगभग 6.1 करोड़ अफ्रीका में लगभग 5.2 करोड़ लैटिन अमेरिका और कैरिबियन में लगभग 1 करोड़पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में लगभग 73 लाख है।

आपको बता दें कि भारत में अनाथ बच्चों का संकट भी भयावह है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के अनुसार, भारत में 29.6 मिलियन से अधिक बच्चे सड़कों पर जीवन यापन कर रहे हैं। अनाथालय परित्यक्त बच्चों से भरे पड़े हैं और लाखों बच्चे सड़कों पर भटकते हुए किसी तरह अपना जीवन यापन कर रहे हैं। भारत में अनुमानित रूप से लगभग 2.5 से 3 करोड़ अनाथ और बेसहारा बच्चे हैं। इन बच्चों के अनाथ होने और परिवारों से बिछड़ने के मुख्य कारणों में अत्यधिक गरीबी, माता-पिता की असामयिक मृत्यु गंभीर बीमारियां या महामारी, घरेलू कलह, माता-पिता का अलगाव तलाक और बच्चों को लावारिस छोड़ देना शामिल है।मुख्य वजहेंगंभीर गरीबीः संसाधनों की कमी और आर्थिक तंगी के कारण कई परिवार बच्चों का पालन-पोषण करने में असमर्थ हो जाते हैं। एचआईवी/एड्स, कोविड-19 जैसी महामारियों और अन्य घातक बीमारियों के कारण कम उम्र में माता-पिता का निधन।वहीं सामाजिक दबाव, अनचाही संतान या गरीबी के चलते कई नवजात शिशुओं को सड़कों या कचरे के डिब्बों में छोड़ दिया जाता है। घरेलू हिंसा, माता-पिता का तलाक या आपसी विवाद के कारण भी बच्चे अनाथ जीवन भोगने के लिए मजबूर हो जाते हैं। दुनिया भर में लाखों बच्चे संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, विस्थापन और गरीबी के विनाशकारी प्रभावों को झेलते हैं, जिससे उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए बुनियादी अधिकारों और अवसरों से वंचित होना पड़ता है।

यूनिसेफ के मुताबिक, दुनिया के लगभग एक चौथाई बच्चे संघर्ष या आपदाग्रस्त देशों में रहते हैं। माता-पिता को खोने वाले बच्चे की दुर्दशा केवल एक दिन तक सीमित नहीं रह सकती, लेकिन जब युद्ध आम बात हो जाती है, तो उत्पीड़ितों की पीड़ा पीछे छूट जाती है।यूनिसेफ के अनुसार, अनाथ वह बच्चा है जिसकी आयु 18 वर्ष से कम है और जिसने अपने एक या दोनों माता-पिता को खो दिया है। युद्ध जैसी दुखद घटनाओं में अपने माता-पिता को खोने वाले बच्चों को अक्सर किसी जीवित परिवार के सदस्य के साथ रहना पड़ता है या उन्हें पालन-पोषण प्रणाली में जाना पड़ता है, जहां उन्हें कुपोषण और बीमारी जैसी खराब रहने की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। वे जिस भावनात्मक और मानसिक तनाव का अनुभव करते हैं, वह उन्हें बहुत परेशान करता है।यूनिसेफ के मुताबिक, वर्तमान में 46 करोड़ से अधिक बच्चे सूडान, यूक्रेन, म्यांमार, फिलिस्तीन जैसे देशों में संघर्ष क्षेत्रों में रह रहे हैं या वहां से भाग रहे हैं। इन बच्चों को न केवल शारीरिक खतरों का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपने परिवारों को खोने के भावनात्मक आघात का भी सामना करना पड़ता है।यूनिसेफ की रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 14 करोड़ से अधिक बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से 5.2 करोड़ अफ्रीका में, एक करोड़ कैरिबियन और लैटिन अमेरिका में, 6.1 करोड़ एशिया में और 73 लाख मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में हैं। ज्यादातर अनाथ बच्चे अपने दादा-दादी या परिवार के किसी दूसरे सदस्य के साथ रहते हैं।

इन कमजोर बच्चों को और अधिक नुकसान से बचाने की तत्काल जरूरत है, खासकर इसलिए क्योंकि उनमें से कई जलवायु परिवर्तन से गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं।

हर साल छह जनवरी को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व युद्ध अनाथ दिवस पर उनके जीवन को फिर से बनाने में मदद करने और यह सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक समर्थन का आह्वान किया जाता है कि उन्हें वह देखभाल और अधिकार मिलें जिसके वे हकदार हैं।95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चे पांच साल से अधिक उम्र के होते हैं। अमीर देशों में अनाथों की संख्या कम है, लेकिन युद्ध या गंभीर बीमारियों से प्रभावित क्षेत्रों में यह संख्या बहुत अधिक है।

अनुमान है कि विश्वभर में करीब 14 करोड़ से अधिक अनाथ बच्चे हैं। इस विशाल संख्या का अंदाजा लगाने के लिए, इसकी तुलना संयुक्त राज्य अमेरिका की जनसंख्या से करें, जो मात्र 32 करोड़ से थोड़ी अधिक है; या रूस की वर्तमान जनसंख्या - 14 करोड़ से। 14 करोड़ से अधिक बच्चे न्यूयॉर्क शहर, लॉस एंजिल्स, शिकागो और अमेरिका के 47 अन्य सबसे बड़े शहरों की संयुक्त जनसंख्या के बराबर होंगे, साथ ही आयरलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फ्रांस, ग्रीस, निकारागुआ और कोस्टा रिका की संयुक्त जनसंख्या के बराबर भी होंगे। ये केवल संख्याएँ और आँकड़े नहीं हैं, ये बच्चे संकटग्रस्त, संघर्षरत और दुनिया में बहुत कम उम्मीदों से घिरे हुए हैं ।

यूनिसेफ के अनुसार, युद्ध, प्राकृतिक आपदा, गरीबी, बीमारी, सामाजिक कलंक और चिकित्सा संबंधी जरूरतों के कारण प्रतिदिन लगभग 5700 बच्चे अनाथ हो जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2017 में 5 वर्ष से कम आयु के 15,000 बच्चों की प्रतिदिन मृत्यु हुई; यानी हर 17 सेकंड में 1 बच्चे की मृत्यु। जीवन के पहले महीने में ही प्रतिवर्ष 27 लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है।

अफ्रीका में हर 15 सेकंड में एक और बच्चा एड्स के कारण अनाथ हो जाता है। रिपोर्ट के अनुसार 60% अनाथ लड़कियाँ यौन व्यापार का शिकार हो जाएँगी। 10-15% अनाथ बच्चे 18 वर्ष की आयु से पहले आत्महत्या कर लेंगे। पूर्वी यूरोप में 70% अनाथ लड़के अपराधी बन जाएँगे।

विश्वसनीय आंकड़े मिलना मुश्किल है, यहां तक कि स्रोतों में भी अक्सर केवल अनुमान ही दिए जाते हैं, और बेघर बच्चों को शायद ही कभी शामिल किया जाता है। लेकिन अगर ये आंकड़े दुगुने भी बढ़ा-चढ़ाकर बताए गए हों, तब भी यह एक असहनीय त्रासदी है कि हर साल दस लाख से अधिक बच्चे अनाथ हो जाते हैं; और हर साल 70 लाख बच्चे अनाथ ही बड़े होते हैं, जिनका कोई अपना नहीं होता और न ही कोई घर होता है। ये जोखिम में पड़े बच्चे हैं जो पूरी तरह से असुरक्षित, जरूरतमंद और आमतौर पर दुनिया में उम्मीद से परे होते हैं।

आपको बता दें कि हर साल 250,000 बच्चों को गोद लिया जाता है, लेकिन 14,050,000 अनाथ बच्चे बिना किसी प्यार भरे परिवार का हिस्सा बने ही अनाथालय से बाहर हो जाते हैं। इसका मतलब है कि हर दिन 38,493 बच्चे अनाथालय से बाहर हो जाते हैं।2 यानी हर 2.2 सेकंड में एक अनाथ बच्चा अनाथालय या पालक देखभाल से बिना किसी परिवार और घर के बाहर निकल जाता है। सभी अनाथ बच्चों में से 1% से भी कम बच्चों को गोद लिया जाता है। बाकी लाखों अनाथ, परित्यक्त और बेघर बच्चों की देखभाल कौन करेगा?

आपको यह भी बता दें कि भारत सरकार अनाथ और बेसहारा बच्चों के लिए मिशन वात्सल्य और पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन जैसी कई प्रमुख योजनाएं चला रही है। इसके तहत बच्चों को हर महीने आर्थिक मदद, मुफ्त शिक्षा, स्वास्थ्य बीमा और 18 से 23 वर्ष की आयु होने पर बड़ा वित्तीय फंड दिया जाता है।प्रमुख योजनाएं और सहायतापीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेन योजना कोविड-19 या अन्य कारणों से माता-पिता को खोने वाले बच्चों के लिए है। इसमें 18 साल की उम्र पर रू.10 लाख का फंड और 23 साल होने पर आर्थिक सहायता मिलती है।आयुष्मान भारत : इन बच्चों को रू.5 लाख तक का मुफ्त स्वास्थ्य बीमा कार्ड दिया जाता है।मिशन वात्सल्यः बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के लिए है। इसके जरिए पात्र बच्चों को रू4,000 प्रति माह की आर्थिक मदद दी जाती है।शैक्षणिक सहायताः स्कूलों में मुफ्त पढ़ाई, उच्च शिक्षा के लिए लोन और विशेष छात्रवृत्ति का प्रावधान है। क्या आपके आसपास कोई वंचित अनाथ बच्चा है तो आप उसकी व्यक्तिक तौर पर अथवा सरकार द्वारा दी जा रही सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास करें यह उसके भविष्य के लिए जरूरी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता में सक्रिय हैं)

अगस्त क्रांतिः जब जनता बनी नेतृत्व और साम्राज्य हुआ बेबस

योगेश कुमार गोयल

भारत छोड़ो आंदोलन की अमिट गाथा...

भारत छोड़ो आंदोलन, जिसे 'अगस्त क्रांति' के नाम से भी जाना जाता है, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में एक ऐसे निर्णायक मोड़ का प्रतीक है, जिसने अंग्रेजी शासन की नींव को गहराई से हिला दिया था। यह केवल एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था बल्कि भारतीय जनमानस की स्वतंत्रता के प्रति अटूट इच्छा, आत्मबल और त्याग की पराकाष्ठा का सशक्त उदाहरण था। हर वर्ष 8 अगस्त को 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जो हमें उस ऐतिहासिक संघर्ष की याद दिलाता है, जब पूरा देश एक स्वर में ब्रिटिश शासन के खिलाफ खड़ा हो गया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान भारत की राजनीतिक स्थिति अत्यंत जटिल हो गई थी। ब्रिटिश सरकार ने भारत को बिना उसकी सहमति के युद्ध में झोंक दिया था, जिससे भारतीय नेताओं और जनता में व्यापक असंतोष फैल गया। इसी बीच, 1942 में 'क्रिप्स मिशन' भारत आया, जिसने युद्ध के बाद भारत को डोमिनियन स्टेटस देने का प्रस्ताव रखा लेकिन यह प्रस्ताव अस्पष्ट और अधूरा था। भारतीय नेताओं ने इसे अस्वीकार कर दिया क्योंकि इसमें तत्काल स्वतंत्रता की कोई स्पष्ट गारंटी नहीं थी। इस असफलता ने आंदोलन की पृष्ठभूमि तैयार की।

8 अगस्त 1942 को बॉम्बे (अब मुंबई) के गोवालिया टैंक मैदान, जिसे आज 'अगस्त क्रांति मैदान' के नाम से जाना जाता है, में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ऐतिहासिक अधिवेशन हुआ। इसी अधिवेशन में 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव पारित किया गया। महात्मा गांधी ने इस अवसर पर अपने प्रसिद्ध 'करो या मरो' के नारे के साथ देशवासियों को स्वतंत्रता के लिए अंतिम संघर्ष के लिए प्रेरित किया। यह नारा केवल एक आह्वान नहीं था बल्कि यह उस समय के भारत के आत्मविश्वास और संकल्प का प्रतीक बन गया। इस आंदोलन की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि यह एक पूर्ण जन-आंदोलन बन गया था। 9 अगस्त 1942 की सुबह ही गांधीजी, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। अंग्रेजों का उद्देश्य था कि नेतृत्व को खत्म कर आंदोलन को दबा दिया जाए लेकिन इसका उल्टा प्रभाव हुआ। नेताओं की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन और अधिक उग्र और व्यापक हो गया। देश के विभिन्न हिस्सों में जनता स्वतः सड़कों पर उतर आई। छात्रों, मजदूरों, किसानों और महिलाओं ने बड़ी संख्या में इस आंदोलन में भाग लिया।

भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कई स्थानों पर हिंसक घटनाएं भी हुई। रेलवे लाइनों को नुकसान पहुंचाया गया, टेलीफोन और तार सेवाएं बाधित की गई और सरकारी इमारतों पर हमले किए गए। हालांकि महात्मा गांधी का आंदोलन अहिंसात्मक था लेकिन जनता के भीतर दबी हुई आक्रोश की भावना कई स्थानों पर उग्र रूप में सामने आई। ब्रिटिश सरकार ने भी इस आंदोलन को कुचलने के लिए कठोर कदम उठाए। पुलिस और सेना ने बल प्रयोग किया, हजारों लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई स्थानों पर गोलीबारी हुई, जिसमें सैंकड़ों लोग शहीद हो गए। इस आंदोलन में महिलाओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। अरुणा आसफ अली, उषा मेहता, सुचेता कृपलानी जैसी अनेक महिलाओं ने न केवल आंदोलन में सक्रिय भागीदारी निभाई बल्कि नेतृत्व भी किया। उषा मेहता ने 'कांग्रेस रेडियो' के माध्यम से आंदोलन की जानकारी और संदेश पूरे देश में पहुंचाए। यह दशार्ता है कि यह आंदोलन केवल पुरुषों तक सीमित नहीं था बल्कि इसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी थी। भारत छोड़ो आंदोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी था कि इसने ब्रिटिश शासन को यह अहसास करा दिया कि अब भारत पर शासन करना संभव नहीं है। यह आंदोलन भले ही तत्काल स्वतंत्रता नहीं दिला सका लेकिन इसने अंग्रेजों की प्रशासनिक और मानसिक पकड़ को कमजोर कर दिया। इसके बाद ब्रिटिश सरकार ने यह समझ लिया कि भारत में उनका शासन लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इस आंदोलन का प्रभाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन पहले ही आर्थिक और सैन्य दबाव में था। भारत में इस तरह के व्यापक जन-आंदोलन ने उसकी स्थिति को और कमजोर कर दिया। युद्ध के बाद जब ब्रिटेन की स्थिति और खराब हुई तो भारत को स्वतंत्रता देना उसके लिए एक अनिवार्यता बन गया। भारत छोड़ो आंदोलन का सबसे बड़ा योगदान यह था कि इसने भारतीय जनता को आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाया। इस आंदोलन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब जनता एकजुट होकर किसी लक्ष्य के लिए खड़ी होती है तो सबसे शक्तिशाली साम्राज्य भी उसके सामने टिक नहीं सकता।

यह आंदोलन भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अंतिम और निर्णायक चरण था, जिसने 1947 में मिली स्वतंत्रता की नींव को मजबूत किया। आज जब हम 'भारत छोड़ो आंदोलन दिवस' मनाते हैं तो यह केवल इतिहास को याद करने का अवसर नहीं है बल्कि हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत भी है। यह हमें याद दिलाता है कि स्वतंत्रता केवल एक अधिकार नहीं बल्कि उन अनगिनत बलिदानों का परिणाम है, जिन्हें हमें हमेशा संजोकर रखना चाहिए। वर्तमान समय में जब देश विभिन्न चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब इस आंदोलन की भावना (एकता, साहस और संकल्प) हमारे लिए मार्गदर्शक बन सकती है। भारत छोड़ो आंदोलन केवल अतीत की एक घटना मात्र नहीं है बल्कि यह एक विचार है, एक प्रेरणा है, जो हमें अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का बोध कराती है। 'करो या मरो' का संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जो हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण और जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित करता है। यही इस ऐतिहासिक आंदोलन की सबसे बड़ी विरासत है, जिसे हमें आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना है।

संसदीय-गतिरोध से नहीं चलेगा लोकतंत्र, संवाद ही है समाधान

ललित गर्ग

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संसद है। यही वह सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है जहां राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य से जुड़े विषयों पर गंभीर विमर्श होता है, सरकार जवाबदेह बनती है, विपक्ष जनभावनाओं को स्वर देता है और कानूनों के माध्यम से देश के विकास की दिशा तय होती है। लेकिन अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज संसद संवाद और सहमति का मंच बनने के बजाय टकराव, आरोप-प्रत्यारोप, नारेबाजी और राजनीतिक हठधर्मिता का अखाड़ा बनती जा रही है। मानसून सत्र में जिस प्रकार लगातार गतिरोध बना हुआ है, उससे केवल संसदीय कार्यवाही ही बाधित नहीं हो रही, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा भी आहत हो रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजीजू और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच गतिरोध समाप्त करने के लिए हुई बातचीत भी किसी ठोस निष्कर्ष तक नहीं पहुंच सकी। यह स्थिति बताती है कि दोनों पक्ष अपने-अपने राजनीतिक आग्रहों में इतने उलझ गए हैं कि राष्ट्रहित पीछे छूट गया है। विपक्ष की ओर से यह शर्त रखी जा रही है कि जब तक कुछ विशेष मुद्दों पर सरकार सदन में बयान और चर्चा के लिए तैयार नहीं होती, तब तक संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी जाएगी। दूसरी ओर सरकार भी अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने पर अडिग है। परिणाम यह है कि संसद का बहुमूल्य समय निरर्थक विवादों की भेंट चढ़ रहा है।

लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति को अराजकता में बदल देना लोकतांत्रिक संस्कृति नहीं है। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक सुझाव देना भी है। सरकार को कठघरे में खड़ा करना विपक्ष का अधिकार है, परंतु संसद को ठप कर देना किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। लोकतंत्र में विरोध की भी मयार्दा होती है। जब विरोध संसद को चलने ही न दे, तब वह लोकतांत्रिक अधिकार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक दायित्वों की उपेक्षा बन जाता है। पिछले कुछ वर्षों से यह चिंताजनक प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है कि संसद सत्र प्रारंभ होने से पहले ऐसे मुद्दे राजनीतिक रूप से उछाले जाते हैं, जिनके आधार पर पूरे सत्र को बाधित किया जा सके। परिणामस्वरूप अनेक महत्वपूर्ण विधेयक बिना पर्याप्त चर्चा के पारित हो जाते हैं अथवा कई विधेयक लंबित रह जाते हैं। इससे सबसे अधिक नुकसान देश को होता है। संसद का प्रत्येक मिनट करोड़ों रुपये की सार्वजनिक धनराशि से संचालित होता है। यदि वह समय केवल शोर-शराबे और नारेबाजी में बीत जाए तो यह करदाताओं के धन और लोकतांत्रिक विश्वास-दोनों का अपमान है।

लोकतंत्र में संवाद ही समाधान का सबसे प्रभावी माध्यम है। महात्मा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक भारतीय राजनीति की श्रेष्ठ परंपरा संवाद, सहमति और संवेदनशीलता की रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पक्ष और विपक्ष दोनों अपने-अपने दुराग्रह छोड़कर संवाद की मेज पर बैठें। संसद की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन किसे अधिक कठघरे में खड़ा करता है, बल्कि इस बात में है कि राष्ट्रहित के प्रश्नों पर कितनी गंभीरता से विचार किया जाता है। विशेष रूप से कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी को यह समझना होगा कि लोकतंत्र केवल आंदोलन और विरोध का नाम नहीं है। विपक्ष की भूमिका सरकार को गिराने की नहीं, बल्कि लोकतंत्र को संभालने की होती है। यदि प्रत्येक मुद्दे पर संसद को बाधित करने की रणनीति अपनाई जाएगी तो जनता के बीच यह संदेश जाएगा कि विपक्ष के पास वैकल्पिक नीति और दृष्टि का अभाव है। लोकतंत्र में जनता केवल विरोध नहीं, समाधान भी चाहती है। यदि विपक्ष स्वयं संवाद से दूरी बनाएगा तो ह्यसंवाद से समाधानह्न का आदर्श केवल नारा बनकर रह जाएगा।

सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतंत्र में बहुमत का अर्थ मनमानी नहीं होता। सरकार को भी विपक्ष की उचित मांगों को सुनना चाहिए और जहां संभव हो, सहमति का मार्ग निकालना चाहिए। संसद किसी एक दल की नहीं, पूरे राष्ट्र की संस्था है। इसलिए सरकार को भी संवेदनशीलता, धैर्य और व्यापक दृष्टिकोण का परिचय देना होगा। किंतु यदि संवाद का प्रत्येक प्रयास केवल राजनीतिक शर्तों और हठधर्मिता में उलझ जाए तो समाधान की संभावनाएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। आज सबसे बड़ी आवश्यकता राजनीतिक परिपक्वता की है। दुर्भाग्य से भारतीय राजनीति में आग्रह, पूर्वाग्रह और दुराग्रह का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। हर मुद्दे को चुनावी लाभ-हानि के चश्मे से देखा जा रहा है। संसद में बहस कम और राजनीतिक संदेश अधिक दिए जा रहे हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र को कमजोर करती है। संसद का उद्देश्य जनकल्याणकारी नीतियों पर विचार करना है, न कि चुनावी रणनीतियों का मंच बन जाना।

देश आज आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति, रोजगार, शिक्षा, कृषि, राष्ट्रीय सुरक्षा, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है। ऐसे समय संसद का प्रत्येक दिन अत्यंत मूल्यवान है। यदि यह समय केवल राजनीतिक टकराव में व्यतीत होगा तो विकास की गति अवश्य प्रभावित होगी। कानूनों में विलंब, नीतिगत निर्णयों की देरी और संसदीय अस्थिरता का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। भारतीय लोकतंत्र की मजबूती इस बात में नहीं कि संसद में कितना शोर हुआ, बल्कि इस बात में है कि वहां कितने सार्थक विचार सामने आए। स्वस्थ लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष प्रतिद्वंद्वी अवश्य होते हैं, किंतु शत्रु नहीं। दोनों का अंतिम लक्ष्य राष्ट्रहित होना चाहिए। यदि राजनीतिक दल इस मूल भावना को भूल जाएंगे तो लोकतंत्र केवल संख्या का खेल बनकर रह जाएगा।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल आत्ममंथन करें। विपक्ष अपने विरोध को रचनात्मक बनाए, सरकार अपने संवाद को व्यापक बनाए और दोनों मिलकर संसद की प्रतिष्ठा पुनः स्थापित करें। लोकतंत्र का भविष्य टकराव में नहीं, संवाद में सुरक्षित है। संसद की गरिमा नारेबाजी से नहीं, विचार-विमर्श से बढ़ती है। भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में यदि संसद ही गतिरोध का प्रतीक बन जाएगी तो जनता का विश्वास कमजोर होगा, जो किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। समय की पुकार है कि राजनीति चुनावों की सीमाओं से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़े। पक्ष और विपक्ष दोनों यह स्मरण रखें कि वे किसी दल के नहीं, पहले भारत के प्रतिनिधि हैं। संसद की प्रत्येक घड़ी राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है। उसे हठ, अहंकार और राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ाना भविष्य की पीढ़ियों के साथ अन्याय होगा। यदि लोकतंत्र को सशक्त बनाना है, संसद की प्रतिष्ठा पुनर्स्थापित करनी है और भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है, तो केवल एक ही मार्ग है-संवाद, सहमति और राष्ट्रहित। यही भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही संसदीय मयार्दा का सर्वोच्च आदर्श।

~~~~~~~~~

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्ता अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ीं के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ीं (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति

छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्लीः इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकडे हये. छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। **फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये,** बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्याद नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्लीः 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

वैश्विक तनाव के बीच भी सोना 497 रुपए चढ़ा, चांदी भी 2,157 रुपए उछली

सोना 1,49,457 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,28,000 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव और चीन के संस्थागत निवेशकों की बढ़ती खरीददारी से सुरक्षित निवेश के रूप में सोना और चांदी आकर्षक बने हुए हैं। शुक्रवार को वैश्विक और घरेलू दोनों बाजारों में इन कीमती धातुओं के वायदा भाव में जोरदार तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में शुक्रवार को इन धातुओं की कीमतों में उछाल दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर भी सोने-चांदी के भाव में शानदार तेजी दर्ज की गई। खबर लिखे जाने तक सोने का अक्टूबर वायदा भाव 599 रुपये की मजबूती के साथ 1,49,457 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में यह 1,49,554 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंच गया। वहीं चांदी का सितंबर वायदा 2,164 रुपये की जोरदार तेजी के साथ 2,28,000 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास कारोबार कर रहा था, जिसने 2,28,095 रुपये का दिन का उच्च स्तर छुआ। यह उछाल वैश्विक रुझानों और घरेलू मांग दोनों का परिणाम है, जिससे दोनों धातुएं इस साल अपने रिकॉर्ड उच्चतम स्तर के करीब पहुंच रही हैं। वैश्विक बाजार कॉमेक्स पर सोना शुक्रवार को 4,320 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 19 डॉलर से अधिक की तेजी देखी गई। वहीं चांदी भी 0.86 डॉलर की तेजी के साथ 62.50 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई थी। भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आर्थिक स्थिरता की तलाश में निवेशक लगातार सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख कर रहे हैं, जिसका सीधा फायदा इन कीमती धातुओं को मिल रहा है। चीन के संस्थागत निवेशकों द्वारा गोल्ड-समर्थित परिसंपत्तियों में बढ़ती दिलचस्पी और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की निरंतर खरीदारी भी सोने-चांदी की कीमतों को मजबूती प्रदान कर रही है।

आरबीआई का निर्देश- कर्ज वसूली के नाम पर ग्राहक के गैजेट्स बंद नहीं कर सकेंगे बैंक

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कर्ज वसूली से जुड़े एक महत्वपूर्ण निर्देश में बैंकों को ग्राहकों के मोबाइल फोन, टैबलेट या लैपटॉप को निष्क्रिय करने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 1 जनवरी 2027 से लागू होगा और इसका उद्देश्य कर्जदारों को उत्पीड़न से बचाना है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि व्यक्तिगत, वाहन या आवास ऋण जैसे कर्ज न लौटाने पर बैंक अब ग्राहकों के इन उपकरणों को बंद या उनकी कार्यक्षमता सीमित नहीं कर पाएंगे। हालांकि, यदि किसी बैंक ने विशेष रूप से किसी उपकरण की खरीद के लिए ही कर्ज दिया है, तो वह चरणबद्ध तरीके से कार्रवाई कर सकता है, लेकिन इसमें भी आपातकालीन सुविधाएं जैसे इनकमिंग कॉल, एसएमएस और एसओएस सेवाएं किसी भी स्थिति में बंद नहीं की जा सकेंगी। आरबीआई ने यह कदम कर्ज वसूली और रिकवरी एजेंसियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से ग्राहकों के उत्पीड़न और अभद्र व्यवहार की बढ़ती शिकायतों के बाद उठाया है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 455 अंक, निफ्टी 65 अंक गिरा

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व के शेयर टूटे। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक और ट्रेंट के शेयर भी गिरे। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 455.59 अंक टूटकर 78,499.17 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 65.35 अंक फिसलकर 24,570.65 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स के केवल 14 शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। बचे हुए 16 शेयर गिरावट पर बंद हुए। निफ्टी 50 की भी 50 में से 24 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ लाभ पर बंद हुए और शेष सभी 26 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आये।आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा समूह की आईटी कंपन टीसीएस के शेयरों में सबसे ज्यादा 3.53 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं बजाज फाइनेंस के शेयरों में आज सबसे अधिक गिरावट रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा,

एसबीआई सहित कई कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा के अलावा, भारतीय स्टेट बैंक, टेक महिंद्रा, बीईएल, इन्फोसिस और एचसीएल टेक, मारुति सुजुकी के शेयरों में बढ़त रही। दूसरी ओर सप्ताह के अंतिम दिन बजाज फिनसर्व, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, एचडीएफसी बैंक, अडाणी पोर्ट्सके शेयरों में गिरावट रही।

फाइब की प्रबंधित परिसंपत्तियां 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ पहुंचीं

व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण से मिली बढ़त

नई दिल्ली ।

डिजिटल ऋण मंच फाइब, जिसने अपने आईपीओ के लिए सेबी के पास प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं, ने अपनी प्रबंधित परिसंपत्तियों (एयूएम) में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया है। कंपनी के डीआरएचपी के अनुसार मार्च 2026 तक इसकी एयूएम 63.31 फीसदी बढ़कर 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जिसमें व्यक्तिगत ऋण और उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण कारोबार का प्रमुख योगदान होगा। दस्तावेजों से पता चलता है कि फाइब की एयूएम में पिछले तीन वर्षों से लगातार वृद्धि दर्ज की गई है।

मार्च 2024 में 4,064 करोड़ रुपये से बढ़कर यह मार्च 2025 में 5,268 करोड़ रुपये हो गई और मार्च 2026 तक 8,603 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। कुल प्रबंधित परिसंपत्तियों में व्यक्तिगत ऋण की हिस्सेदारी 6,657 करोड़ रुपये (77 प्रतिशत) रही, जबकि उद्देश्य-आधारित वित्तपोषण का आकार 1,946 करोड़ रुपये था। फाइब का उद्देश्य आधारित वित्तपोषण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बीमा, यात्रा, ई-कॉमर्स और छत पर सौर ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक फैला है। कंपनी ने जून में पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के जरिए धन जुटाने के लिए दस्तावेज दाखिल किए थे।

अकासा एयर ने लॉन्च किया एलीवेट लॉयल्टी कार्यक्रम

एयरलाइन ने यात्रियों की निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

अपनी सफल उड़ान के दो वर्ष पूरे होने के अवसर पर एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने शुक्रवार को अपना नया लॉयल्टी कार्यक्रम 'अकासा एलीवेट' लॉन्च किया है। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर यात्रा अनुभव, व्यक्तिगत पहचान और विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराना है, साथ ही उनकी निष्ठा के प्रति आभार व्यक्त करना है। एयरलाइन ने 7 अगस्त, 2022 को उड़ान परिचालन शुरू किया था। कंपनी के एक अे धिकारी ने अब तक के सफर को बेहद रोमांचक बताया। 'अकासा एलीवेट' कार्यक्रम के तहत, सदस्य पात्र उड़ानों के साथ-साथ सहायक उत्पादों और सेवाओं पर भी अंक अर्जित कर सकेंगे। कंपनी का कहना है कि इसे ग्राहकों को अधिक मूल्य और बेहतर यात्रा सुविधाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी अे धिकारी ने अकासा एयर को 'अनुभव आधारित विमानन सेवा' करार देते हुए कहा, हमने अपने ग्राहकों के लिए बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने की दिशा में काफी मेहनत की है। ऐसे में ग्राहक लॉयल्टी कार्यक्रम की शुरुआत उनके प्रति आभार व्यक्त करने का स्वाभाविक विस्तार है। उन्होंने आगे कहा कि तीसरे वर्ष में प्रवेश के साथ उनका ध्यान अनुशासित वृद्धि, परिचालन उत्कृष्टता और ग्राहकों को विशिष्ट अनुभव उपलब्ध कराने पर केंद्रित रहेगा।

त्योहारी सीजन में महंगा होगा घर-गाड़ी खरीदना

तांबा, एल्युमीनियम जैसी प्रमुख धातुओं के दाम रिकॉर्ड ऊंचाई पर

नई दिल्ली ।

आगामी त्योहारी सीजन में घर और वाहन खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों को अब अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है।

वैश्विक बाजारों में औद्योगिक धातुओं की कीमतों में अप्रत्याशित वृद्धि के चलते टीवी, फ्रिज, एसी, वॉशिंग मशीन और नई गाड़ियों के दाम बढ़ने वाले हैं। वैश्विक बाजारों में मची उथल-पुथल और आपूर्ति संकट के कारण तांबा, एल्युमीनियम, जिंक और निकल जैसी औद्योगिक धातुओं के दाम तेजी से बढ़े हैं, जिसका सीधा असर उपभोक्ता उत्पादों पर पड़ेगा। लंदन मेटल एक्सचेंज पर तांबे का औसत भाव 1.8 फीसदी उछलकर 14,369.50 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो जनवरी के बाद सबसे अधिक है। भारत में भी तांबे के दाम 2.56 फीसदी बढ़कर 1304.90 रुपये प्रति किलोग्राम हो गए हैं, जबकि एक महीने पहले यह 1187.85 रुपये प्रति किलोग्राम था। एल्युमीनियम में भी पांच फीसदी की तेजी दर्ज की गई है। इस वृद्धि के पीछे कई कारण हैं। कांगो द्वारा कॉपर और कोबाल्ट कंसंट्रेट के निर्यात पर प्रतिबंध, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से हॉर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही में बाधा, और साल की शुरुआत से जिंक के वेयरहाउस स्टॉक में 75 फीसदी की भारी गिरावट ने कीमतों पर दबाव बढ़ाया है। इसके अतिरिक्त, एआई डेटा सेंटरों और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण अमेरिका और चीन द्वारा तांबे की अंधाधुंध खरीदारी और जमाखोरी भी प्रमुख वजहों में से एक है। घरेलू उपकरणों और वाहनों के निर्माण में तांबा, स्टील और एल्युमीनियम जैसे धातु मुख्य कच्चे माल होते हैं। इन धातुओं की बढ़ती कीमतें सीधे विनिर्माण लागत को बढ़ाती हैं, जिसका बोझ अंततः ग्राहकों को वहन करना पड़ेगा।

युवाओं की मानसिक सेहत बिगाड़ने पर मेटा पर लगा 5,000 करोड़ का जुर्माना

न्यू मैक्सिको कोर्ट का कड़ा फैसला; कंपनी को बच्चों के यौन शोषण की जानकारी छिपाने का भी दोषी पाया गया

सैन फ्रांसिस्को ।

सोशल मीडिया दिग्गज मेटा (फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी) को न्यू मैक्सिको की एक अदालत ने युवाओं की मानसिक सेहत को पहुंचाए गए नुकसान के लिए 567 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपए) का भुगतान करने का कड़ा आदेश दिया है। यह फैसला उस बहुचर्चित मुकदमे का हिस्सा है जिसमें मेटा को मार्च में करारी हार का सामना करना पड़ा था। न्यायाधीश ब्रायन बीडशाइड ने अपने फैसले में कहा कि इस राशि का बड़ा हिस्सा, यानी 42 करोड़ डॉलर, युवाओं के उपचार से जुड़ी सेवाओं पर खर्च किया जाएगा। शेष राशि अगले पांच वर्षों के दौरान जागरूकता, रोकथाम, जांच सेवाओं और अन्य संबंधित खर्चों पर लगाई जाएगी। अदालत ने मार्च में मुकदमे के पहले चरण में मेटा पर 37.5 करोड़ डॉलर का दीवानी जुर्माना भी लगाया था। उस समय, अदालत ने माना था कि कंपनी ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को जानबूझकर नुकसान पहुंचाया और अपने मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से संबंधित उपलब्ध जानकारी को छिपाया। हालांकि अभियोजकों द्वारा अनुरोध किए जाने के बावजूद, अदालत ने मेटा के कामकाज में बुनियादी बदलावों जैसे लत लगाने वाले फीचर पर अंकुश लगाने या उम्र के सत्यापन की व्यवस्था में सुधार का आदेश देने से इनकार कर दिया।

अदालत ने कहा कि बाल ऑनलाइन निजता संरक्षण अधिनियम के कारण वह मेटा को 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए आयु सत्यापन उपकरण लागू करने या निजी जानकारी एकत्र करने का आदेश नहीं दे सकती। इसके अतिरिक्त, अदालत ने इसे केवल एक कंपनी पर थोपना अनुचित बताया।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 19 पैसे की तेजी के साथ ही 95.03 रुपये पर बंद हुआ। रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और छह पैसे की गिरावट के साथ ही 95.28 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के अनुसार आयातकों की डॉलर मांग और रुपये में आई मजबूती के बाद मुनाफावसूली के दबाव से रुपये पर प्रभाव पड़ा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.27 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.28 प्रति डॉलर तक फिसल गया।

यह पिछले बंद भाव की तुलना में छह पैसे फिसला। वहीं रुपया गुरुवार को 14 पैसे टूटकर 95.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी बढ़कर 99.95 पर पहुंच गया।

डिजिटल क्रांति में भी एलआईसी के एजेंटों का दबदबा कायम

नए व्यक्तिगत कारोबार में एजेंटों की हिस्सेदारी 93 फीसदी से अधिक

नई दिल ली ।

देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के लिए उसके एजेंट आज भी कारोबार की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। जहां अन्य कंपनियां डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोर दे रही हैं, वहीं एलआईसी के नए व्यक्तिगत कारोबार का 93 फीसदी से अधिक हिस्सा अब भी उसके 14.5 लाख एजेंटों के जरिए ही आ रहा है, जो तकनीक के दौर में भी मानवीय संपर्क की अहमियत दर्शाता है।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एलआईसी के इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम में एजेंसी चैनल की हिस्सेदारी बढ़कर 93.1 फीसदी हो गई। एजेंटों के जरिए आने वाला नया प्रीमियम भी एक साल में 15 फीसदी बढ़ा है।

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार एले आईसी के पास करीब 14.5 लाख एजेंट हैं, जिनमें से 53 फीसदी पांच साल से अधिक समय से कंपनी के साथ हैं। एजेंटों की संख्या मामूली घटने के बावजूद, कंपनी अब उनकी ट्रेनिंग और काम की गुणवत्ता पर अधिक ध्यान दे रही है।

इसके विपरीत, बैंक एश्योरेंस से आने वाला इंडिविजुअल न्यू बिजनेस प्रीमियम एक साल में 9

फीसदी घटा है, और डायरेक्ट चैनल से भी कारोबार में 13 फीसदी की गिरावट आई है। ब्रोकर चैनल में 27 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

एलआईसी डिजिटल प्लेटफॉर्म आनंदा ऐप के जरिए पॉलिसियों की हिस्सेदारी बढ़ने पर भी काम कर रही है, जो अब 14.1 फीसदी हो गई है। कंपनी का मानना है कि डिजिटल उपकरण एजेंटों के काम को आसान बनाने और उन्हें सशक्त करने का माध्यम बनेंगे, न कि उन्हें प्रतिस्थापित करने का।

आरबीआई का नया फ्रेमवर्क- अब लोन वसूली होगी ज़्यादा पारदर्शी और जिम्मेदार

1 जनवरी 2027 से लागू होंगे नए नियम; बैंकों को विस्तृत पॉलिसी बनानी होगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने कमर्शियल बैंकों द्वारा लोन रिकवरी को अधिक पारदर्शी और जिम्मेदार बनाने के लिए नया व्यापक फ्रेमवर्क जारी किया है।

1 जनवरी 2027 से लागू होने वाले ये नियम रिकवरी एजेंटों पर सख्ती, उधार लेने वालों की सुरक्षा के बेहतर उपाय और टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी सिस्टम पर कड़ी निगरानी सुनिश्चित करेंगे।

यह केवल कमर्शियल बैंकों पर लागू होगा। नए फ्रेमवर्क के तहत बैंकों को एक विस्तृत रिकवरी पॉलिसी बनानी होगी, जिसमें रिकवरी शुरू करने की शर्तें और नियमों के उल्लंघन पर मुआवजे जैसे बिंदु स्पष्ट हों। रिकवरी एजेंसियों की नियुक्ति से पहले जांच और एजेंटों के लिए इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंस (आईआईबीएफ) या आरबीआई मान्यता प्राप्त संस्थानों से प्रमाणन अनिवार्य है। बैंकों को अपनी वेबसाइट पर रिकवरी एजेंसियों की अपडेटेड सूची प्रकाशित करनी होगी। कर्जदारों को एजेंट के पहली बार मिलने से एक दिन पहले सूचना देनी होगी।

एजेंटों के पास पहचान पत्र और ऑथराइज़ेशन लेटर ज़रूरी होगा; वे सुबह 8 बजे से शाम 7 बजे के बीच ही संपर्क कर सकेंगे। गाली-गलौज, धमकी, अत्यधिक कॉल, सार्वजनिक अपमान या सोशल मीडिया पर जानकारी उजागर करना सख्त वर्जित है।

शोक या मेडिकल इमरजेंसी जैसे संवेदनशील मौकों पर संपर्क से बचना होगा।

टेक्नोलॉजी-आधारित रिकवरी में बैंक उधार लेने वाले के मोबाइल फ़ोन को दूर से तभी बंद कर सकते हैं, जब लोन उसी डिवाइस के लिए हो और वह भी 30 या 60 दिनों की देरी के बाद। आवश्यक सेवाओं को ब्लॉक नहीं किया जा सकता। गलत तरीके से डिवाइस ब्लॉक करने पर बैंक को प्रति घंटे 250 रुपए का मुआवजा (अधिकतम लोन राशि तक) देना होगा। बैंकों को शिकायत निवारण प्रणाली भी बनानी होगी।

दमदार बिक्री के बावजूद हीरो मोटोकॉर्प का लाभ 16.86 फीसदी गिरा

पिछले साल के एकमुश्त लाभ के कारण शुद्ध मुनाफा प्रभावित

नई दिल्ली ।

दोपहिया वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंसॉलिडेटेड शुद्ध लाभ में 16.86 फीसदी की गिरावट दर्ज की है। कंपनी का पीएटी घटकर 1,417.93 करोड़ रुपये रह गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,705.65 करोड़ रुपये था। कंपनी ने इस गिरावट की मुख्य वजह पिछले साल के ऊंचे आधार और 722 करोड़ रुपए के एकमुश्त लाभ को बताया है, जो सहयोगी कंपनियों में निवेश की हिस्सेदारी कम होने से मिला था। हालांकि, मुनाफे में कमी के बावजूद, हीरो मोटोकॉर्प ने ऑपरेशंस से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू में मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो बढ़कर 13,126.35 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल की समान अवधि में 9,727.75 करोड़ रुपये था, यानी लगभग 35फीसदी की बढ़ोतरी। इस तिमाही में कंपनी ने 16.77 लाख मोटरसाइकिल और स्कूटर बेचे, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 23 फीसदी अधिक है।

कारोबार बढ़ने के साथ कंपनी के कुल खर्च में भी तेज वृद्धि हुई, जो 11,621.48 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हीरो मोटोकॉर्प के एक अे धिकारी ने कहा कि वित्त वर्ष 27 की शुरुआत मजबूत रफ्तार के साथ हुई है, जिसमें प्रीमियम, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और कम्प्यूटर सेगमेंट के साथ-साथ वैश्विक कारोबार में भी व्यापक वृद्धि देखी गई। कंपनी के पार्ट्स, एक्सेसरीज और मर्चेंडाइजिंग कारोबार से राजस्व पहली तिमाही में 1,689 करोड़ रुपये रहा, जो साल-दर-साल 30 फीसदी अधिक है।

कच्चे तेल में तेजी, ब्रेंट 83 डॉलर के पार

होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान से जुड़ी अनिश्चितता से बढ़ी आपूर्ति चिंता

नई दिल ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में मजबूत उछाल दर्ज किया गया। ब्रेंट क्रूड अक्टूबर वायदा 1.22 फीसदी बढ़कर 83.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, वहीं डब्ल्यूटीआई सितंबर वायदा 1.01 फीसदी की बढ़त के साथ 78.07 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा था। इस तेजी की मुख्य वजह मध्य पूर्व में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताएं हैं। बाजार की नजर विशेष रूप से रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर है, जहां से वैश्विक तेल और गैस का बड़ा हिस्सा गुजरता है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और जहाजों की आवाजाही में संभावित बाधा की आशंका ने आपूर्ति प्रभावित होने का डर पैदा किया है। इसके अतिरिक्त, अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते को लेकर बनी अनिश्चितता भी कीमतों में जोखिम बढ़ा रही है। फिलहाल स्थिति पूरी तरह स्पष्ट न होने से बाजार में अनिश्चितता का माहौल है। लाल सागर और अदन की खाड़ी में सऊदी तेल टैंकरों पर हमलों की खबरों ने भी आपूर्ति संबंधी चिंताओं को बल दिया है, जिससे प्रमुख समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से ढुलाई लागत बढ़ने और देरी होने की आशंका है।

कच्चे तेल की आगे की चाल काफी हद तक मध्य पूर्व के घटनाक्रम पर निर्भर करेगी। यदि अमेरिका-ईरान वार्ता में ठोस प्रगति होती है या होर्मुज में सामान्य आवाजाही के संकेत मिलते हैं तो कीमतों पर दबाव आ सकता है। वहीं, तनाव बढ़ने या नई आपूर्ति बाधा की खबर आने पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में और तेजी आ सकती है। फिलहाल, आपूर्ति से जुड़ा जोखिम वैश्विक बाजार में कीमतों को लगातार सहारा दे रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मोहम्मद अशफाक ने नेशनल रिकॉर्ड तोड़कर बनाई फाइनल में जगह

यूजीन। भारत के मोहम्मद अशफाक ने वर्ल्ड एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप 2026 में पुरुषों की 400 मीटर दौड़ के फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-20 का नेशनल रिकॉर्ड भी ध्वस्त किया। 19 साल के अशफाक ने हीट 5 में 45.81 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने अप्रैल में बेंगलुरु में हुई अंडर 20 फेडरेशन कप में बनाए अपने ही 46.05 सेकंड के रिकॉर्ड को तोड़ा।

सेमीफाइनल हीट 3 में, अशफाक ने 46.00 सेकंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। अशफाक के साथी खिलाड़ी पीयूष राज हीट 6 में 47.78 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे और फाइनल राउंड में जगह बनाने से चूक गए। पुरुषों की हाई जंप में, बसंत ने 2.14 मीटर की जंप के साथ फाइनल के लिए क्वालिफाई किया और क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में पांचवें स्थान पर रहे। के. अम्ब्रीश 2.05 मीटर की अपनी सर्वश्रेष्ठ जंप के साथ क्वालिफिकेशन ग्रुप बी में 12वें स्थान पर रहे और क्वालिफाई नहीं कर पाए। गौरतलब है कि किसी भी ग्रुप का कोई भी एथलीट 2.21 मीटर का ऑटोमैटिक क्वालिफिकेशन मार्क पार नहीं कर पाया। महिलाओं की शॉट पुट स्पर्धा में, अंशु फाइनल में जगह बनाने से चूक गईं। उन्होंने 15.24 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो की, जो फाइनल क्वालिफिकेशन कटऑफ से 21 सेंटीमीटर कम थी। इस तरह वह ग्रुप ए में 9वें और क्वालिफिकेशन राउंड में कुल मिलाकर 14वें स्थान पर रहीं। भारत की तनु चौधरी को महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स हीट में निराशा हाथ लगी। वह 1:00.03 के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं और सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाईं। पुरुषों की 400 मीटर हर्डल्स में, अमित कुमार हीट में 54.01 सेकंड के समय के साथ सबसे पीछे रहे। पुरुषों की ट्रिपल जंप क्वालिफिकेशन में, धनुष राज और पी. रॉयशन फाइनल में जगह नहीं बना पाए। उन्होंने क्रमशः 14.71 मीटर और 15.20 मीटर की सर्वश्रेष्ठ दूरी तय की। इस बीच, अमानत कंबोज ने महिलाओं के डिस्कस थ्रो फाइनल में 53.24 मीटर का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए छठा स्थान हासिल किया।

सालाह दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर इस टीम से जुड़े; लिवरपूल से छूटा था नौ साल का साथ

इस्तांबुल। मिस्र के कप्तान मोहम्मद सालाह 'लिवरपूल' छोड़ने के बाद दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर 'ट्रैबजोनस्पोर' से जुड़ गए हैं। सालाह ने लिवरपूल के साथ शानदार नौ साल बिताए थे, जिसके बाद उन्होंने तुर्किये सुपर लीग क्लब के साथ 'फ्री ट्रांसफर' के जरिए जुड़ने का फैसला किया है। यह कदम सालाह और लिवरपूल के बीच आपसी सहमति से कॉन्ट्रैक्ट को एक साल पहले खत्म करने के फैसले के बाद उठाया गया है, जिससे 2025-26 सीजन के बाद एनफील्ड में उनका कार्यकाल समाप्त हो गया। सालाह के जाने से लिवरपूल के आधुनिक इतिहास के सबसे सफल अध्यायों में से एक का समापन हुआ है। सालाह साल 2017 की गर्मियों में इटैलियन क्लब एएस रोमा से यहां आए थे, जिसके बाद इस मिस्र के खिलाड़ी ने क्लब के अब तक के सबसे महान खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाते हुए लिवरपूल की घरेलू और यूरोपीय सफलता में अहम भूमिका निभाई। एनफील्ड में सालाह ने लिवरपूल को दो प्रीमियर लीग खिताब, यूईएफए चैंपियंस लीग, फीफा क्लब वर्ल्ड कप, यूईएफए सुपर कप, एफए कप, दो लीग कप और एफए कम्युनिटी शील्ड जीतने में मदद की। इस फॉरवर्ड खिलाड़ी ने मर्सीसाइड क्लब के लिए 435 मुकाबलों में 255 गोल दागे और लिवरपूल की अब तक की सर्वाधिक गोल करने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर रहे। उन्होंने चार बार प्रीमियर लीग 'गोल्डन बूट' भी जीता। लिवरपूल में सालाह का आखिरी सीजन चुनौतीपूर्ण रहा; उन्हें नियमित रूप से खेलने का समय नहीं मिल रहा था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तत्कालीन हेड कोच अर्ने स्लॉट के साथ सालाह के संबंध खराब हो गए थे, जिसके बाद दोनों पक्षों ने उनके कॉन्ट्रैक्ट को समय से पहले खत्म करने पर सहमति जताई।

संन्यास के बाद भी बरकरार सचिन का जलवा भारत के शीर्ष-पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेट से संन्यास लिए एक दशक से अधिक समय बीत जाने के बावजूद सचिन तेंदुलकर की लोकप्रियता और ब्रांड वैल्यू में कोई कमी नहीं आई है। क्रोल इंडिया सेलिब्रिटी ब्रांड वैल्यूएशन 2025 रिपोर्ट के अनुसार, सचिन 125.9 मिलियन अमेरिकी डॉलर की ब्रांड वैल्यू के साथ भारत के शीर्ष पांच सेलिब्रिटी ब्रांड्स में अपनी जगह बनाए हुए हैं। वह देश के इकलौते रिटायर्ड खिलाड़ी हैं, जो लगातार भारत के शीर्ष-10 सेलिब्रिटी ब्रांड्स में शामिल हैं।

ब्रांड्स की पहली पसंद बने हुए हैं सचिन

रिपोर्ट के मुताबिक, सचिन तेंदुलकर की विश्वसनीय छवि, ईमानदारी और वर्षों से बनी प्रतिष्ठा उन्हें आज भी विभिन्न क्षेत्रों के बड़े ब्रांड्स के लिए आकर्षक चेहरा बनाए हुए है। यही वजह है कि रिटायरमेंट के बाद भी उनकी ब्रांड वैल्यू लगातार बढ़ रही है और कंपनियां उन्हें अपने साथ जोड़ना चाहती हैं।

क्रिकेट में बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

सचिन तेंदुलकर को क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में गिना जाता है। उनके नाम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 34,357 रन दर्ज हैं। टेस्ट और वनडे दोनों प्रारूपों में सबसे अधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। दिलचस्प बात यह है कि वनडे क्रिकेट में उनका पहला शतक 79वें मैच में आया था, लेकिन इसके बाद उन्होंने रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

कायम हैं कई बड़े कीर्तिमान

मास्टर ब्लास्टर के नाम सबसे ज्यादा 200 टेस्ट मैच खेलने का रिकॉर्ड है। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 15921 रन, 51 शतक और 2058 चौके लगाए। वह सिर्फ 300 पारियों में 15000 टेस्ट रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज भी हैं।वनडे क्रिकेट में सचिन का करियर 22 साल 91 दिन तक चला, जो इस प्रारूप के सबसे लंबे करियर में से एक है। वर्ष 1998 में उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1,894 रन और नौ शतक लगाए, जो आज भी रिकॉर्ड है। इसके अलावा उनके नाम वनडे में सबसे ज्यादा 145 अर्धशतक, 2,016 चौके और सिर्फ 440 पारियों में सबसे तेज 18,000 रन पूरे करने का रिकॉर्ड भी दर्ज है। मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन की तरह ही सचिन तेंदुलकर का ब्रांड प्रभाव भी आज तक कायम है।

वार्म-अप मैच से पहले बड़ा झटका, शुभमन चोटिल

पहले दिन नहीं करेंगे फील्डिंग, राहुल संभाल रहे कप्तानी

कोलंबो। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल श्रीलंका दौरे पर जाते ही चोटिल हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने जानकारी दी कि गुरुवार को अभ्यास सत्र के दौरान गिल के दाएं हाथ की रिंग फिंगर में इम्पैक्ट इंजरी हुई है। एहतियात के तौर पर उन्हें श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय वार्म-अप मैच के पहले दिन फील्डिंग से बाहर रखा गया है।

बीसीसीआई ने दिया अपडेट

बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार के अभ्यास के दौरान दाएं हाथ की रिंग फिंगर में चोट लगी। सावधानी के तौर पर वह वार्म-अप मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।' बोर्ड ने यह भी बताया कि गिल की गैरमौजूदगी में अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल टीम की कप्तानी करेंगे।

कोलंबो में खेला जा रहा अभ्यास मैच

कोलंबो के नॉनडिस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड में खेले जा रहे तीन दिवसीय अभ्यास मैच में श्रीलंका इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया है। हालांकि, अगर आज भारतीय टीम की बल्लेबाजी आती है तो गिल इसके लिए उपलब्ध रहेंगे या नहीं, इस पर फिलहाल कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

भारत के लिए यह चोट चिंता का विषय हो सकती है, क्योंकि 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होनी है। टीम प्रबंधन उम्मीद करेगा कि कप्तान जल्द पूरी तरह फिट होकर सीरीज के पहले टेस्ट तक उपलब्ध हो जाएं। जसप्रीत बुमराह पहले ही चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि साई सुदर्शन को अभी तक फिटनेस क्लीयरेंस नहीं मिला है।

श्रीलंका टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम का स्क्वॉड: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान), यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बरार, देवदत्त पडिक्कल, सारांश जैन और आकिब नबी।

चयनकर्ता नॉर्थ ने बताई जो रूट को टेस्ट कप्तान बनाने की वजह

नई दिल्ली। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता मार्कस नॉर्थ ने खुलासा किया है कि बेन स्टोक्स के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद टेस्ट टीम की कप्तानी हैरी ब्रूक को नहीं, बल्कि अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को सौंपने का फैसला क्यों लिया गया। उनका कहना है कि चयन समिति हैरी ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का अतिरिक्त दबाव नहीं डालना चाहती थी।

हैरी ब्रूक पर ज्यादा जिम्मेदारी नहीं डालना चाहता था बोर्ड

35 वर्षीय जो रूट इससे पहले भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि 27 वर्षीय हैरी ब्रूक फिलहाल वनडे और टी20 टीम के कप्तान हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चयनकर्ताओं का मानना था कि ब्रूक पर तीनों प्रारूपों की कप्तानी का बोझ डालना फिलहाल सही फैसला नहीं होगा। इसी वजह से अनुभवी जो रूट को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई।

तीनों फॉर्मेट की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी चुनौती

मार्कस नॉर्थ ने गुरुवार को स्थानीय मीडिया से कहा कि हैरी ब्रूक तीनों प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए अहम खिलाड़ी हैं और सीमित ओवरों की कप्तानी में लगातार परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हैरी ब्रूक हमारे लिए तीनों प्रारूपों में शानदार खिलाड़ी रहे हैं। वह टीम का बेहद अहम हिस्सा हैं। उनकी कप्तानी हर सीरीज के साथ बेहतर होती जा रही है। इस गर्मी में हमारी टी20 टीम दुनिया की नंबर-1 टीम बनी, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का प्रमाण है।'नॉर्थ ने आगे कहा, 'अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए वह ब्रेंडन मैकुलम के साथ सीमित ओवरों की टीम पर पूरा फोकस कर रहे हैं। ऐसे में तीनों प्रारूपों की कप्तानी किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है।'

टेस्ट कप्तान बन सकते हैं हैरी ब्रूक

हालांकि, नॉर्थ ने साफ किया कि हैरी ब्रूक को भविष्य की टेस्ट कप्तानी की दौड़ से बाहर नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास है कि हैरी का समय भी आएगा। लेकिन फिलहाल हमारे पास जो रूट जैसा अनुभवी खिलाड़ी है, जो इस भूमिका को बखूबी निभा सकता है। वहीं, हैरी ब्रूक और ब्रेंडन मैकुलम सीमित ओवरों की टीम पर अपना पूरा ध्यान दे सकेंगे।'

पहली बार बने थे टेस्ट कप्तान

जो रूट पहली बार 2017 में इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बने थे। उन्होंने रिकॉर्ड 64 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की और 28 मुकाबलों में जीत दिलाई। अप्रैल 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विकेट की हार के बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी थी। अब बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद एक बार फिर उन्हें टेस्ट टीम की कमान सौंपी गई है।

प्रज्ञानंद ने जीता सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब

सेंट लुईस। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने एक राउंड बाकी रहते हुए ही ग्रैंड चेस टूर सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज का खिताब अपने नाम किया। प्रज्ञानंद और उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव के बीच आखिरी मुकाबले का अंत ड्रॉ पर होने के साथ ही भारतीय ग्रैंडमास्टर का खिताब पक्का हो गया। 20 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कुल 35 में से 23 पॉइंट हासिल करके चैंपियनशिप को अपने नाम किया। शानदार टूर्नामेंट के बाद सिंदारोव ने 22 पॉइंट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि वेस्ली सो 20.5 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

लेवोन अरोनियन 19 पॉइंट के साथ चौथे स्थान पर रहे, और फैबियानो कारुआना, लीनियर डोमिंग्वेज और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट 17 पॉइंट के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। प्रज्ञानंद को बिना किसी प्लेऑफ के सीधे जीत हासिल करने पर 50,000 अमेरिकी डॉलर और 13 ग्रैंड चेस टूर पॉइंट मिले। इस नतीजे से प्रज्ञानानंद सिंकफील्ड कप से पहले ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। हालांकि फैबियानो अभी भी ओवरऑल ग्रैंड चेस टूर स्टैंडिंग में सबसे आगे हैं।

प्रज्ञानंद ने पांच दिन के इस इवेंट में शुरू से

आखिरी मुकाबला रहा ड्रॉ, फिर भी बने चैंपियन

आखिर तक बढ़त बनाए रखी। सिंदारोव ने आखिरी दौर में कड़ी चुनौती पेश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए और 1.5 प्वाइंट के अंतर से उपविजेता रहे। जून में, प्रज्ञानंद प्रतिष्ठित नॉर्वे चेस खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रच चुके हैं।

सेंट लुइस रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट में 31 जुलाई से सात अगस्त तक सेंट लुइस चेस क्लब में दस बेहतरीन ग्रैंडमास्टर शामिल हुए। पांच दिनों के खेल में, खिलाड़ियों ने 9 रैपिड राउंड और 18 ब्लिट्ज राउंड खेले। इस दौरान कुल मिलाकर 135 गेम हुए, जिनमें सिंकफील्ड कप और जीसीटी ग्रैंड फाइनल से पहले महत्वपूर्ण टूर पॉइंट दांव पर थे।

इस टूर्नामेंट में दो तेज गति वाले फॉर्मेट शामिल रहे। नौ-राउंड का सिंगल राउंड-रॉबिन रैपिड टूर्नामेंट (जो 25 मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही 10-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है) और 18-राउंड का डबल राउंड-रॉबिन ब्लिट्ज टूर्नामेंट (जो पांच मिनट के टाइम कंट्रोल और पहली चाल से ही दो-सेकंड के इंक्रीमेंट के साथ खेला जाता है)। रैपिड में जीत पर दो पॉइंट और ड्रॉ पर एक पॉइंट मिलता है, जबकि ब्लिट्ज में जीत पर एक पॉइंट और ड्रॉ पर 0.5 पॉइंट मिलता है।

संन्यास के बाद रहाणे की नई शुरुआत, यूरोपीय टी-20 लीग में बने मार्की प्लेयर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के कुछ ही दिनों बाद अपने भविष्य को लेकर तस्वीर साफ कर दी है। 14 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहने वाले रहाणे ने कहा कि उन्हें अपने फैसले को लेकर कोई पछतावा नहीं है। उनका कहना है कि उन्होंने खिलाड़ी के तौर पर अपना 200 प्रतिशत दिया और अब वह दुनिया भर की टी20 लीग में खेलते हुए अपना अनुभव साझा करना चाहते हैं। साथ ही, भविष्य में कोच और मेंटर की भूमिका निभाने को लेकर भी वह उत्साहित हैं।रहाणे को यूरोप की पहली आईसीसी-सैंक्शन प्राप्त टी20 लीग यूरोपीय टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) के उद्घाटन सत्र के लिए एम्सटर्डम फ्लेम्स का मार्की प्लेयर बनाया गया है। लीग का पहला सत्र 26 अगस्त से 20 सितंबर तक खेला जाएगा, जिसमें छह शहर आधारित फ्रेंचाइजी 33 मुकाबलों में हिस्सा लेंगी। रहाणे ने 30 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की थी। अब वह नई भूमिका में यूरोपीय क्रिकेट के विकास का हिस्सा बनेंगे। उन्होंने कहा कि यूरोप क्रिकेट के लिए एक रोमांचक नए दौर में प्रवेश कर रहा है और वह इस क्षेत्र में खेल के विकास में योगदान देना चाहते हैं। एम्सटर्डम फ्लेम्स के सह-संस्थापक और मुख्य क्रिकेट अधिकारी तथा ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ ने रहाणे का स्वागत करते हुए उनके कौशल, धैर्य, विनम्रता और नेतृत्व क्षमता की तारीफ की। उन्होंने कहा कि रहाणे का अनुभव और व्यक्तित्व टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा।

'मुझे कोई पछतावा नहीं'

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के फैसले पर रहाणे ने कहा कि उन्होंने करीब एक महीने तक इस फैसले पर विचार किया था। उन्होंने खुद से बार-बार सवाल किया कि क्या उन्हें किसी चीज का पछतावा है या कुछ अलग करना चाहते थे, लेकिन उन्हें इसका जवाब हमेशा नहीं मिला।रहाणे ने कहा, 'मैं अपने फैसले से बहुत खुश हूं। मैंने अपने नियंत्रण में जो कुछ था, उससे भी ज्यादा किया और हर बार अपना 200 प्रतिशत दिया।' उन्होंने कहा कि करियर के अंत में यह महसूस होना कि उन्होंने अपना सब कुछ दे दिया, उनके लिए सबसे अच्छी भावना है।

कोच -मेंटर बनने में भी दिलचस्पी

रहाणे ने भविष्य में कोचिंग और मेंटरशिप की संभावना से भी इनकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी के तौर पर अलग-अलग परिस्थितियों से गुजरने के कारण वह खिलाड़ियों की मानसिकता को अच्छी तरह समझते हैं।उन्होंने कहा कि फिलहाल उनकी प्राथमिकता क्रिकेट खेलना और दुनिया भर की लीग में अपना अनुभव साझा करना है, लेकिन उन्हें लगता है कि वह आगे चलकर एक अच्छे कोच और मेंटर साबित हो सकते हैं। उनके मुताबिक खिलाड़ियों का प्रबंधन, कोचिंग और मेंटरशिप उनके अनुभव का स्वाभाविक विस्तार होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। आध्यात्मिक रुचि बनेगी। शुभांक-3-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु तोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-6-8-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। समय का सदुपयोग करें। साधन और भोग-विलास के प्रचुर अवसर होंगे। शुभांक-2-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जान-पहचान का दायरा बढ़ेगा। धन वृद्धि होगी। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। शुभांक-4-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3972

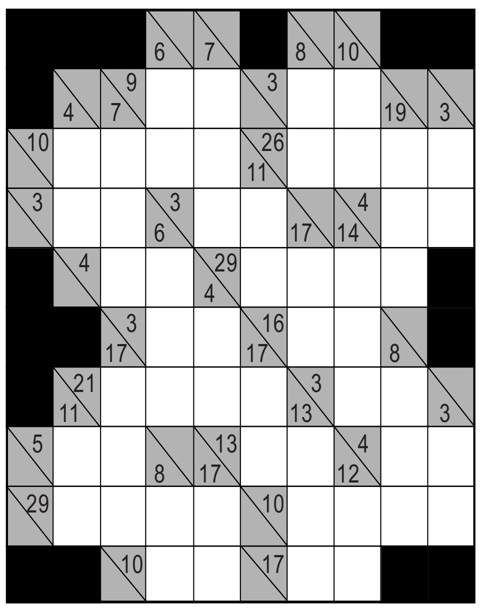

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -3971 का हल

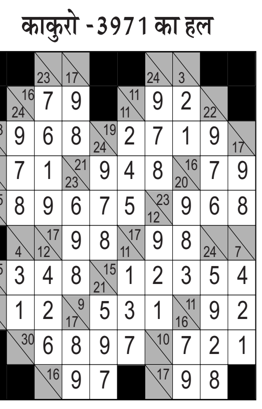

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला) – डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी – हाँ–हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से) – आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली– हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 3972

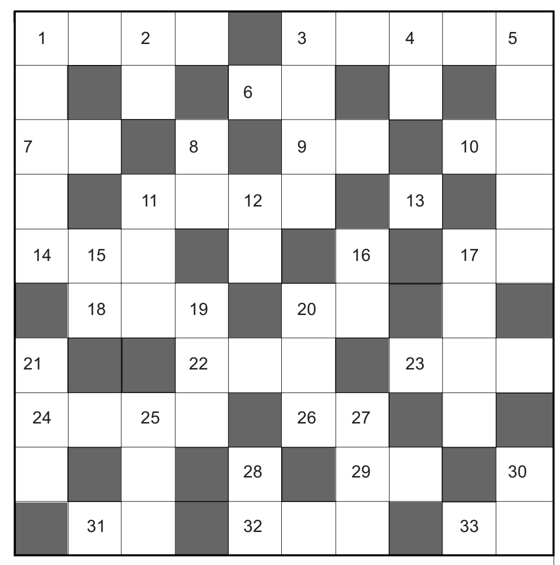

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमुता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले मैं चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3971

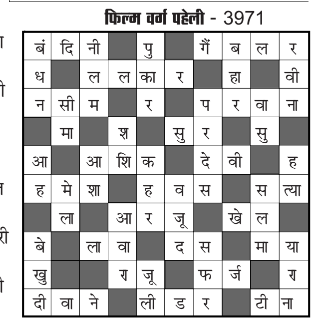

सूडोकु -3972

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3971 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 3972

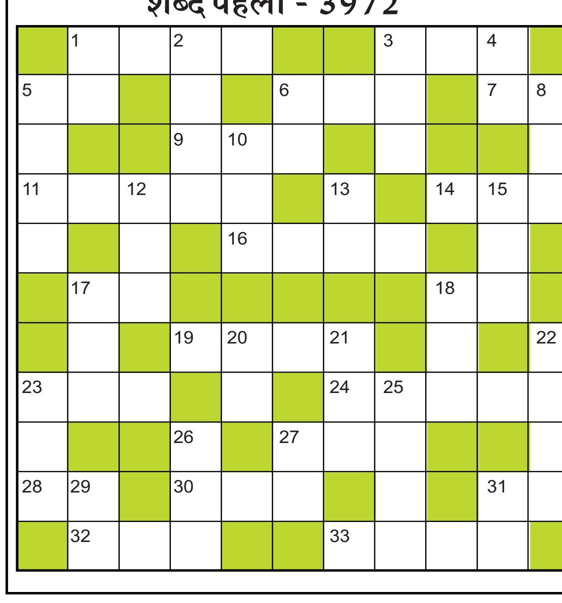

बाएँ से दाएँ
1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3971 का हल

कुकुम्बर सबमरीन

सामग्री : 5 ककड़ी, 200 ग्राम पनीर कद्दूकस किया हुआ, 1 छोटी गाजर कद्दूकस की हुई, 1 शिमला मिर्च, 1 बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक व कालीमिर्च पाउडर स्वादानुसार।

विधि : ककड़ी को छीलकर बीच में से लंबाई में काटकर उसके दो टुकड़े कर लें और अंदर का गूदा निकाल लें। अब ककड़ी का गूदा पनीर, कटी हुई शिमला मिर्च, टमाटर व गाजर– इन सबको मिला लें। नमक व कालीमिर्च डालें और फिर इस मिश्रण को ककड़ी में भर दें।

हेयर स्टाइल से जगाएं आत्मविश्वास

बाल चाहे किसी भी प्रकार के हों, उनका सुंदर और स्वस्थ होना आपमें आत्मविश्वास पैदा करता है। सही ढंग से संवारे गए बाल भी आपको बेहतर रूप प्रदान करते हैं। शर्त यह है कि वह आपके व्यक्तित्व पर सूट करते हों। कैसा हेयर स्टाइल चलन में है, इसे लेकर परेशान होने से बेहतर होगा कि ऐसा हेयर स्टाइल अपनाएं, जो आपके व्यक्तित्व के अनुकूल हो और आप जिसे संभाल व संवार सकें। कोई नया स्टाइल तभी अपनाएं जब आप उसे आत्मविश्वास के साथ रख सकें।

- बालों के स्टाइल के लिए यह नहीं कहा जा सकता है कि यही तीन–चार प्रकार के स्टाइल चलन में हैं। हर तरह के स्टाइल आज चलन में हैं। आप अपने बाल कैसे संवारें, यह इस बात पर निर्भर करता है कि वह आपके सौंदर्य को बढा रहा है या फिर घटा रहा है।
- स्ट्रेट बाल आजकल काफी पसंद किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सेमी या परमानेंट स्ट्रेटंनग करा सकती हैं। इसके बाद बालों की विशेष देखभाल करनी होती है। दरअसल, बालों में किसी भी तरह का केमिकल इस्तेमाल होने से वे कमजोर और पहले से अधिक रूखे हो जाते हैं। उनकी कंडीशनिंग बहुत आवश्यक होती है।
- हलके घुंघराले बालों को खुला छोडा जा सकता है। यह स्टाइल वेस्टर्न आउट फिट्स पर जंचता है।
- बाल लंबे और सीधे हों तो उन्हें खुला भी छोड सकती हैं या फिर पोनी भी बना सकती हैं।
- शाम के किसी कार्यक्रम के लिए फ्रेंच बन भी अच्छा लगता है।

बिंदास आर्टिफिशियल कड़े

आजकल आर्टिफिशल कड़ें महिलाओं को काफी लुभा रहे हैं। अब ये हर रंग हर डिजाइन में मार्केट में उपलब्ध है, जिन्हें आप अपने ड्रेस को साथ मैचिंग कर पहन सकती हैं। बेशक सोने और हीरे के कंगन महिलाओं का पसंदीदा आभूषण रहा है, लेकिन इनकी भी महत्ता कम नहीं है। कॉलेज जानेवाली लड़कियां ही नहीं, शादीशुदा युवा महिलाएं भी आर्टिफिशल कड़ों से बिंदास लुक पाती हैं। तरह–तरह के डिजाइन, आकार व कार्विंग लिए ये कड़े देखने में बेहद ट्रेंडी और लुभावने लगते हैं। विभिन्न राज्यों में बनाये जा रहे मेटल, लाख व मोती जड़ित इन कड़ों की अपनी अलग ही दुनिया है। अपनी कलाई के सौंदर्य को और भी निखारने के लिए आप भी इन्हें पहन सकती हैं। साथ ही प्रिंटेड, पेंटिंग लिए व सॉटर्न के धागों में लिपटे ये कड़े बेहद खूबसूरत लगते हैं। आपकी साड़ी या सूट से मैच करते हुए ये कड़े आपको फैशनेबल बनायेंगे, इसमें कोई शक नहीं।

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर भेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ जाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा।

उन्होंने कहा, 'मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूं। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूं। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।' मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, 'हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।' इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

'तारक मेहता' की एक्ट्रेसेस अलग

उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है

उन्होंने कहा, 'मैं इन शानदार महिलाओं के साथ काम करके बहुत खुश हूं। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।' मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।'

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, 'हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।' जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।

वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म 'SVC63' है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि 'SVC63' फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान?

रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौंकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान 'SVC63' के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने 'फ्री प्रेस जर्नल' को बताया, 'सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्क्ष्63 के मेकर्स को यह छूट इसलिए दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं'।

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम

माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बाला' फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। 'विकी डोनर' (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा 'हां। असल में, 'उरी' और 'बाला' से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने एक बिल्कुल अलग जिंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, 'घर आ जाओ'।'

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। 'उरी' ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे 'वेदविद' का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्में की हैं, जिनमें 'दसवीं', 'चोर निकल के भागा', 'ओएमजी 2', 'हक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में शामिल हैं।

यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड

हाल ही में उन्हें 'आर्टिकल 370' में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी जिंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की।

जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात अभिनय को खास बनाती है।

प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है।

प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है राब्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म 'अंजाना अंजानी' के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म 'फगली' से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें 'एमएस धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म 'भारत अने नेनु' में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली।

साल 2018 में नेटफ्लिक्स की 'लस्ट स्टोरीज' में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई 'कबीर सिंह' उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई 'गुड न्यूज' भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईफा अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने 'गिल्टी', 'लक्ष्मी', 'इंदू की जवानी', 'शेरशाह', 'भूल भुलैया 2', 'जुगजुग जियो', 'गोविंदा नाम मेरा', 'सत्यप्रेम की कथा', 'गेम चेंजर' और 'वॉर 2' जैसी फिल्मों में काम किया। 'शेरशाह' और 'सत्यप्रेम की कथा' में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया में सड़क हादसे में पांच की मौत

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के नॉर्दर्न टेरिटरी में स्टुअर्ट हाईवे पर बुधवार दोपहर करीब 12 :50 बजे दो वाहनों की आमने-सामने की भीषण टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर के बाद दोनों वाहन आग की लपटों में घिर गए और पूरी तरह जल गए। प्रारंभिक जांच के अनुसार, एक यूटिलिटी वाहन गलत लेन में चला गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया। हादसे में यूटिलिटी चला रहे 23 वर्षीय युवक, उसके 36 वर्षीय पुरुष साथी और 32 व 23 वर्षीय दो महिला यात्रियों सहित वैन में सवार 69 वर्षीय महिला की मौत हो गई। मौके पर मौजूद लोगों ने मदद की कोशिश की, लेकिन आग और क्षति के कारण किसी भी व्यक्ति को बाहर नहीं निकाला जा सका। पुलिस के अनुसार, प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे से पहले यूटिलिटी वाहन तेज रफ्तार में था और खतरनाक तरीके से ओवरटेक कर रहा था। डिटेक्टिव सीनियर सार्जेंट माइकल शूमाकर ने इसे बेहद दुखद घटना बताते हुए कहा कि इस हादसे ने कई परिवारों और पूरे समुदाय को गहरा सदमा पहुंचाया है। इसी बीच, ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य के केर्न्स शहर में चोरी की गई एक यूटिलिटी वाहन की टक्कर से एक 25 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस दोनों मामलों की जांच कर रही है।

श्रीलंका में चक्रवात राहत के लिए भारत देगा 33.27 अरब

कोलंबो, एजेंसी। विदेश सचिव विक्रम मिसरी भारत और श्रीलंका के बीच आपसी रिश्तों को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को कोलंबो पहुंचे। उन्होंने एक दिवसीय यात्रा में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात कर हाल में आए चक्रवात दित्वाह से हुए नुकसान और उसके बाद राहत व पुनर्निर्माण के कामों पर भी बातचीत की। दोनों नेताओं ने 33.27 अरब रुपये के आसान कर्ज यानी लाइन ऑफ क्रेडिट के समझौतों पर हस्ताक्षर किए। यह राशि भारत के उस 42.78 खरब रुपये के पैकेज का हिस्सा है, जिसे चक्रवात के बाद श्रीलंका की मदद के लिए घोषित किया गया था। इस पैसे का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास और जरूरी सामान खरीदने में किया जाएगा। अपनी इस यात्रा के दौरान विक्रम मिसरी ने श्रीलंका के विदेश मंत्री विजिता हेरथ और अपनी समकक्ष अरुणी राजापक्षा से भी मुलाकात की। इन बैठकों में क्षेत्रीय मुद्दों और दोनों देशों के संबंधों को और गहरा करने पर चर्चा हुई। इसके अलावा उनका प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से भी मिलने का कार्यक्रम है।

खसरे का कहर : बांग्लादेश में पांच और बच्चों की मौत, अब तक 854 मौतें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में खसरा (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटों में पांच और बच्चों की मौत के बाद इस बीमारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 854 हो गई है। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) ने बुधवार सुबह तक के 24 घंटों के दौरान पांच नई मौतों की जानकारी दी। इन सभी मौतों को संदिग्ध श्रेणी में रखा गया है। डीजीएचएस के आंकड़ों के मुताबिक, खसरे से अब तक 96 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 758 मौतें संदिग्ध मानी गई हैं। पिछले 24 घंटों में खसरे के 959 नए संदिग्ध मामले सामने आए, जिसके बाद कुल संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 1,32,905 हो गई। इसी अवधि में 124 नए पुष्ट मामले दर्ज किए गए, जिससे कुल पुष्ट मामलों की संख्या 16,655 तक पहुंच गई।

अमेरिकी आसमान में ट्रंप का हेलीकॉप्टर पैसेंजर विमान के बेहद करीब पहुंचा, जांच शुरू

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के वॉशिंगटन के आसमान में मंगलवार को एक बड़ी सुरक्षा चूक की घटना सामने आई है। यहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहा मरीन वन हेलीकॉप्टर और एक पैसेंजर प्लेन आसमान में एक-दूसरे के बेहद करीब आ गए थे। इस गंभीर मामले की जांच अब सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं क्योंकि यह बड़ा मामला है। व्हाइट हाउस और विमानन नियामक संस्था एफएए ने तुरंत बयान जारी कर स्पष्ट किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति किसी भी समय किसी खतरे में नहीं थे। अधिकारियों ने कहा कि मरीन वन के पायलट दुनिया के सबसे बेहतरीन पायलटों में से एक हैं जो विपरीत परिस्थितियों में सुरक्षा सुनिश्चित करना जानते हैं। इस घटना के बाद आसमान में सुरक्षा नियमों को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है। न्यूज एजेंसी एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार यह घटना दोपहर करीब 2 :30 बजे की बताई जा रही है।

बांग्लादेशी क्रिकेटर शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला, पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था। पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई : स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला: ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी, जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह : अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है। शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडर्स में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना : अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी।शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है। राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है। शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं। फिलहाल शाकिब अपने परिवार के साथ अमेरिका में रह रहे हैं और लगातार फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेल रहे हैं। वो कैरेबियन प्रीमियर लीग और लंका प्रीमियर लीग जैसे टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। वहीं, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड पहले भी कह चुका है कि राष्ट्रीय टीम के दरवाजे शाकिब के लिए अब भी खुले हैं।

हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे।

सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब : शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी।

अमेरिका में 3.5 लाख हैती प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा, अदालत ने टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक हटाई

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को लगभग 3.5 लाख हैती नागरिकों के लिए अस्थायी संरक्षित दर्जा (टेम्परेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस-टीपीएस) समाप्त करने की अनुमति दे दी है। इस फैसले के बाद इन प्रवासियों पर निर्वासन का खतरा मंडराने लगा है, जबकि हैती इस समय गंभीर भूख, हिंसा और अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है। टीपीएस एक ऐसी व्यवस्था है, जो उन देशों के नागरिकों को अमेरिका में अस्थायी रूप से रहने और काम करने की अनुमति देती है, जहां युद्ध, प्राकृतिक आपदा या अन्य गंभीर संकट की स्थिति हो। यह दर्जा लाभार्थियों को निर्वासन से भी सुरक्षा प्रदान करता है। डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया की जिला अदालत की न्यायाधीश एना सी. रेयेस ने इससे पहले ट्रंप प्रशासन के उस फैसले पर रोक लगा दी थी, जिसके तहत हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त की जानी थी। बाद में एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी इस रोक को बरकरार रखा था।

हालांकि, जून में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि संघीय कानून के तहत टीपीएस से जुड़े निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते। इस फैसले का असर हैती, सीरिया और अन्य उन देशों के नागरिकों पर पड़ सकता है, जिन्हें अमेरिकी विदेश विभाग उच्च जोखिम वाले देश मानता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद न्यायाधीश रेयेस ने बुधवार को अपना पूर्व आदेश वापस लेते हुए कहा कि शीर्ष अदालत के निर्णय के कारण उनकी 2 फरवरी 2026 की रोक अब प्रभावी नहीं रह गई है। इसके साथ ही हैती के नागरिकों की टीपीएस सुरक्षा समाप्त करने पर लगी रोक भी खत्म हो गई। सरकारी आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर प्रवासी अधिकार संगठन एफडब्ल्यूडी.यूएस ने बताया कि टीपीएस लाभार्थियों में लगभग दो लाख हैती नागरिक अमेरिका में रोजगार कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या स्वास्थ्य सेवाओं, खाद्य सेवा, वेयरहाउसिंग, खुदरा व्यापार और दीर्घकालिक देखभाल जैसे क्षेत्रों में कार्यरत है।

अमेरिकी विदेश विभाग ने हैती को अपने यात्रा परामर्श तंत्र में लेवल-4 श्रेणी में रखा है, जो सबसे उच्च जोखिम स्तर है। विभाग ने वहां अपराध, अपहरण, आतंकवादी गतिविधियों, सामाजिक अशांति और सीमित स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की हुई है। इस फैसले ने अमेरिका में रह रहे हजारों हैती नागरिकों के भविष्य को लेकर नई अनिश्चितता खड़ी कर दी है, क्योंकि अब उन्हें निर्वासन और कानूनी स्थिति से जुड़े जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

थाईलैंड में 9वीं के छात्र ने स्कूल में फायरिंग की , पहले घर पर दादा-दादी की हत्या की, फिर स्कूल में 6 को मारा

बैंकॉक। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक 9वीं कक्षा के छात्र ने अपने दादा-दादी की हत्या कर दी। इसके बाद वह स्कूल पहुंचा और अंधाधुंध फायरिंग कर दी। हमले में 3 टीचर और 3 छात्रों समेत 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना नोंथाबुरी प्रांत के डेबसिरिन नोंथाबुरी स्कूल की है। जांच में पता चला कि स्कूल जाने से पहले छात्र ने अपने घर में दादा-दादी की हत्या की थी। बाद में दोनों के शव घर से बरामद हुए।

पुलिस ने बताया कि फायरिंग में इस्तेमाल की गई 9 एमएम पिस्टल छात्र के दादा की थी, जो पेशे से शिक्षक थे। हमले के बाद आरोपी छात्र भी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि छात्र ने यह वारदात क्यों की, इसकी जांच की जा रही है। थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने घटना पर दुख जताते हुए घायलों के इलाज और पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद देने के निर्देश दिए हैं।

गोलियां चलते ही क्लासरूम में छिप गए छात्र

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि जैसे ही गोलियों की आवाज आई, छात्र अपनी जान बचाने के लिए क्लासरूम में छिप गए। कुछ देर बाद पुलिस ने दरवाजा खटखटाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद स्कूल में अफरा-तफरी मच गई और बाहर मौजूद लोग एक-दूसरे को संभालते नजर आए। थाईलैंड में स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों पर गोलीबारी की घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। इन घटनाओं के बाद थाई सरकार ने हथियारों की उपलब्धता और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मामलों की निगरानी बढ़ाने की बात कही थी। इसके बावजूद समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिससे स्कूलों और सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

कांगो में इबोला का कहर: 1850 मौतें, बच्चों पर सबसे गंभीर असर

किंशासा (एजेंसी)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफकांगो (डीआरसी) इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप से जूझ रहा है। स्वास्थ्य अधिकारियों के ताजा आंकड़ों के अनुसार, अब तक 4053 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, जिसमें से 1850 लोगों की जान जा चुकी है। वर्तमान में 694 मरीज इलाजरत हैं, जबकि 793 लोग स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। हालांकि, पूर्वी डीआरसी में हालात सबसे ज्यादा गंभीर बनी हुई हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यूनिसेफने चिंता जाहिर कर इस प्रकोप में अब तक 330 बच्चों की मौत हो चुकी है। संगठन के मुताबिक, कुल पुष्ट मामलों में बच्चों का हिस्सा करीब एक चौथाई है, लेकिन कुल मौतों में उनकी हिस्सेदारी करीब एक तिहाई है। विशेष रूप से, 5 साल से कम उम्र के छोटे बच्चों में मृत्यु दर वयस्कों की तुलना में दोगुनी से भी अधिक है।

यूनिसेफ ने बताया कि इबोला के डर और स्वास्थ्य केंद्रों में बाधाओं के चलते परिवार अस्पताल जाने से कतरा रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बचपन के टीकाकरण, मातृ स्वास्थ्य और अन्य आवश्यक सेवाओं में भारी गिरावट आई है। यूनिसेफके डीआरसी प्रतिनिधि जॉन एगबोर ने जोर देकर कहा कि यह प्रकोप पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर रहा है, जिसका सीधा असर मलेरिया, डायरिया जैसी इलाज योग्य बीमारियों से बच्चों की मौतों पर पड़ेगा। अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा संगठन मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटियर्स (डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स) ने चेतावनी दी है कि पूर्वी डीआरसी में इबोला की स्थिति पहले से कहीं अधिक विकट है। संगठन के अनुसार, संक्रमण अभूतपूर्व गति से फैल रहा है और धीमा होने के कोई संकेत नहीं हैं। अस्पतालों में बिस्तरों की कमी, चिकित्सा कर्मचारियों पर अत्यधिक दबाव और समुदायों में व्याप्त डर के कारण मरीज समय पर इलाज नहीं ले पा रहे हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ रही है।

यमन के दक्षिणी तट के पास अदन की खाड़ी में जहाज के नजदीक जोरदार विस्फोट, समुद्री तनाव के बीच बढ़ी चिंता

अदन , एजेंसी। अदन की खाड़ी में यमन के दक्षिणी तट के पासएक टैंकर ने अपने नजदीक तेज धमाके की आवाज सुनने की सूचना दी है। यह घटना ऐसे समय में सामने आई है, जब हूती विद्रोहियों द्वारा जहाजों को निशाना बनाने के नए अभियान के बाद क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को लेकर तनाव बढ़ गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) ने बुधवार (स्थानीय समय) को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि यह घटना अदन से लगभग 95 नॉटिकल मील दक्षिण-पूर्व में हुई। इसमें कहा गया, 'एक टैंकर के मास्टर ने बताया कि उन्होंने जहाज के पास एक जोरदार धमाका सुना और बताया कि सभी क्रू सुरक्षित हैं। ' यमन के सेंट्रल अल-बायदा प्रांत में हूती-नियंत्रित इलाके मुकायरस के लोगों ने न्यूज एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि हूती ने इलाके से अदन की

खाड़ी की ओर एक मिसाइल लॉन्च की है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि दोनों घटनाएं जुड़ी हुई थीं या नहीं। वहीं, हूती ने भी अब तक इसकी जिम्मेदारी नहीं ली है। यह घटना हूती और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई है। इससे पहले सोमवार को (स्थानीय समय) एक कार्गो जहाज ने बताया था कि ओमान के तट पर एक अनजान प्रोजेक्टाइल से उस पर हमला हुआ है। यूकेएमटीओ की एक एडवाइजरी के मुताबिक, यह घटना सोमवार को पहले ओमान के अल खसब से लगभग 20 नॉटिकल मील उत्तर-पूर्व में होर्मुज स्ट्रेट के पूर्वी एंट्रेंस के पास हुई। इसके अलावा यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में विस्फोटकों से भरी एक नाव के हमले के बाद भारतीय झंडे वाला मालवाहक जहाज डूब गया। सिन्हुआ एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यमनी बलों ने जहाज के 14 चालक दल के सदस्यों को बचा लिया। इनमें 13 भारतीय नाविक और एक यमन का नागरिक शामिल है। हालांकि, हमला कब हुआ इसकी जानकारी नहीं दी गई। सरकार समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फोर्सेज (एनआरएफ) ने एक बयान में कहा कि तटरक्षक बल और नौसेना की इकाइयों ने संयुक्त अभियान चलाकर 'फैजे नूरे ओलिया' नामक जहाज के चालक दल को बचाया। यह जहाज हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 समुद्री मील दक्षिण में हमले का शिकार हुआ था। जहाज पर मौजूद सभी 14 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया और सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया। उन्हें चिकित्सकीय सहायता भी दी गई और किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। एनआरएफ ने इस हमले के लिए यमन के हूती समूह को जिम्मेदार ठहराया है, लेकिन अभी तक हूतियों की ओर से इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बागी तेवर:सरकार की पकड़ कमजोर

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45% हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70% हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा क्क के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है। खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है।

ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में ञ्ञ्क्क के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं। 22 पोस्ट पर ही पाक फौज तैनात है।

ईरान पर दबाव बढ़ रहा, यह क्रांति के बाद का सबसे मुश्किल समय: राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन

तेहरान , एजेंसी। ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट से एक सुरक्षित कमर्शियल शिपिंग रूट बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने देश के लिए वर्तमान समय को काफी मुश्किल भरा बताया और कहा कि प्रतिबंधों और सैन्य टकराव का दबाव बढ़ता जा रहा है। वहीं, अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी इस बात की पुष्टि की है कि ईरानी शासन बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से दोनों देशों के बीच डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन का कहना है कि ईरान पर पाबंदियों और लड़ाई का दबाव बढ़ता जा रहा है और उन्होंने मौजूदा समय को 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद सबसे मुश्किल समय बताया।

अपने शपथ ग्रहण की दूसरी सालगिरह पर बुधवार को सरकारी मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में पेजेश्कियन ने कहा कि पाबंदियां लगातार बढ़ रही हैं और उसके बाद सैन्य टकराव हुआ है। पेजेश्कियन ने आधिकारिक इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) को बताया, 'अभी हम जिन हालात का सामना कर रहे हैं, वे क्रांति के बाद के इतिहास के सबसे मुश्किल हालात हैं। पाबंदियां थीं और वे बढ़ती गईं। फिर, उन्होंने हमारे बैंकों और हमारे फाइनेंशियल ऑपरेशन्स पर पाबंदी लगा दी। इससे खुश नहीं होने पर उन्होंने जंग छेड़ दी। ईरान के राष्ट्रपति ने टीवी पर दिए इंटरव्यू में कहा कि बाहरी दबाव का मकसद सरकार के लिए लोगों का समर्थन कमजोर करना है।उन्होंने दावा किया, 'अब वे जो भी योजना बना रहे हैं और जो भी दबाव डाल रहे हैं, वह लोगों को नाराज करने और जैसा कि वे कहते हैं, उन्हें विरोध करने के लिए उकसाने के लिए है।

पेजेश्कियन ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय एकता ने ईरान को दबाव झेलने में मदद की है। उन्होंने कहा, 'अगर हम आज तक बचे हैं तो इसका श्रेय ईरान के अच्छे लोगों को जाता है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने

बुधवार को ईरान के साथ संभावित समझौते को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर बातचीत आसान नहीं होगी और इसमें काफी समय लग सकता है। वेंस के मुताबिक ईरानी बेहद जटिल लोग हैं और वहां का शासन तंत्र बिखरा हुआ है, जिसकी वजह से डील की प्रक्रिया मुश्किल भरी रहेगी। बुधवार शाम को फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, 'हमारा काम इससे निपटना है और अमेरिकी लोगों के लिए, बल्कि अमेरिका के राष्ट्रपति के लिए भी सबसे अच्छा नतीजा पाना है। तेल की कीमतें नीचे आएंगी और नीचे ही रहेंगी। ईरान के पास कभी परमाणु हथियार नहीं होगा और अमेरिका एक मजबूत स्थिति में होगा। इसके अलावा ईरानी प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने यह भी बताया कि इस हफ्ते के अंत में तेहरान के किसी भी वरिष्ठ अधिकारियों के पाकिस्तान या कतर जाने की कोई योजना नहीं है।

ईरानी विदेश मंत्रालय की प्रेस रिलीज के अनुसार,ईरान और ओमान के बीच प्रस्तावित रूट के भौगोलिक समन्वय पर सहमति बन गई है और वे एक संयुक्त बयान को फाइनल कर रहे हैं जिसमें तय किए गए खास पॉइंट्स बताए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि दोनों देश पिछले दो महीनों से प्रस्तावित रास्ते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसमें ईरानी अधिकारी तकनीकी, कानूनी, सुरक्षा और पर्यावरण से जुड़े पहलुओं की समीक्षा कर रहे हैं।

बाघेई ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल के सैन्य हमले और उसके कारण इलाके की सुरक्षा पर पड़ने वाले असर के कारण स्ट्रेट को बंद कर दिया गया था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)